रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

शुक्रवार
10 जुलाई -2026
वर्ष 10, अंक 306
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

आंध्र प्रदेश में कोरोना से एक व्यक्ति की मौत

4 दिन इलाज चला, दोनों फेफड़े खराब हो गए थे

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कडप्पा में 46 साल के एक व्यक्ति की कोविड-19 से मौत हो गई। व्यक्ति को पिछले महीने 24 जून को वेल्लोर के सीएमसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच में उसे निमोनिया पाया गया। कोविड की आशंका पर 26 जून को टेस्ट किया गया, जिसमें रिपोर्ट पॉजिटिव आई। जांच में पता चला कि उसके दोनों फेफड़े गंभीर रूप से संक्रमित होकर निमोनिया की चपेट में आ गए थे। इलाज के दौरान 28 जून को उसकी मौत हो गई। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रवि बाबू ने बताया कि मृतक शराब पीता था। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, मृतक को सांस फूलने और खांसी की शिकायत के बाद अस्पताल लाया गया था। मृतक के संपर्क में आए लोगों की पहचान कर उनकी ट्रेसिंग भी की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने इलाके में सैनिटाइजेशन भी शुरू कर दिया है।

दो जिलों में 5 पॉजीटिव केस मिले, सरकार सतर्क

कडप्पा और तिरुपति में 5 नए पॉजिटिव केस मिले

कोरोना से मौत के बाद राज्यभर में समीक्षा कराई गई। इस दौरान कडप्पा और तिरुपति जिलों में 5 और पॉजिटिव मामले सामने आए हैं। मेडिकल एजुकेशन डायरेक्टर ने राज्य के सरकारी अस्पतालों से आइसोलेशन बेड, आईसीयू बेड, ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, दवाइयों, रैपिड टेस्ट किट, एंबुलेंस और मेडिकल स्टाफ की उपलब्धता का ब्यौरा मांगा है। कोरोना वायरस का पहला मामला दिसंबर 2019 में चीन के वुहान शहर में सामने आया। शुरुआत में इसे अज्ञात कारणों वाले निमोनिया के मामलों के रूप में देखा गया। बाद में वैज्ञानिकों ने इसे नए कोरोना वायरस के रूप में पहचाना। डब्ल्यूएचओ ने 11 मार्च 2020 को इसे वैश्विक महामारी घोषित किया। भारत में पहला कोविड-19 मरीज 30 जनवरी 2020 को मिला था। यह केरल के त्रिशूर की एक मेडिकल छात्रा थी, जो वुहान (चीन) से पढ़ाई करके लौटी थी। इसके बाद फरवरी में केरल में दो और मामले सामने आए और मार्च से संक्रमण देश के दूसरे राज्यों में फैलने लगा। संक्रमण तेजी से बढ़ने के बाद भारत सरकार ने 25 मार्च 2020 से देशव्यापी लॉकडाउन लागू किया।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र में भी लागू होगा यूनिफॉर्म सिविल कोड

● सीएम फड़नवीस ने बनाई सात सदस्यीय कमेटी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में भी अब यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लागू करने को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। राज्य की फड़नवीस सरकार ने इसको लेकर गुरुवार को 7 सदस्यों वाली एक कमेटी के गठन करने ऐलान किया है। कमेटी की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त जज रंजना देसाई करेंगी। विधानसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने बताया कि कमेटी के अन्य सदस्यों में हाई कोर्ट के पूर्व जज आर सी चव्हाण और एस जी मेहरे, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव डी के जैन, पूर्व एडवोकेट जनरल वीरेंद्र सराफ, संवैधानिक मामलों के जानकार रमेश पतंगे और शिक्षाविद सुवर्णा रावल शामिल हैं।

सीएम देवेंद्र फड़नवीस कहा कि समिति से छह महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम नागपुर में राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र में इस विधेयक को पेश करने का प्रयास करेंगे। संविधान में निहित राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों का हवाला देते हुए फड़नवीस ने कहा, तदनुसार, एक समान नागरिक संहिता को लागू करने के लिए एक ढांचा तैयार करने हेतु न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना देसाई की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति का गठन किया गया है।

खाड़ी के कई देशों में अमेरिकी ठिकानों पर ड्रोन अटैक

● ईरान का बड़ा दावा-मिसाइल सिस्टम और रडार को उड़ाया

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने बताया है कि उसने कतर, कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन हमले किए हैं। ईरानी सेना के मुताबिक, हमलों में कुवैत के पैट्रियट मिसाइल सिस्टम, कतर के अर्ली वॉर्निंग सैटेलाइट एंटीना और बहरीन में अमेरिकी सेना के फ्यूल टैंक को निशाना बनाया गया। इन हमलों के लिए बड़ी संख्या में ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। इससे पहले अमेरिका ने ईरान पर लगातार दूसरे दिन बड़े पैमाने पर एयरस्ट्राइक की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने करीब 90 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया। इन हमलों से ईरान के अहवाज में 3 लोगों की मौत हुई है। ईरानी सेना ने कहा कि वह अमेरिकी हमलों का जवाब देती रहेगी। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान समझौता चाहता है, लेकिन उसे इस बात पर भरोसा नहीं कि तेहरान समझौते का पालन करेगा। अमेरिकी सेना ने मंगलवार देर रात ईरान के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। अमेरिका ने बताया कि यह ईरान के होर्मुज में जहाजों पर हमले के जवाब में किया गया है।

● मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के ऑफिसियल वेबसाईट पर जन-साधारण के लिए उपलब्ध कराई गई अन-मैप्ड मतदाताओं की सूची

विगत एसआईआर से मैपिंग वाले मतदाताओं को नहीं देने होंगे कोई अन्य दस्तावेज

▶ मतदाता अपने इन्यूमरेशन फॉर्म भरते समय विगत एसआईआर से मैपिंग का विवरण अवश्य भरें- के. रवि कुमार मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की प्रगति साझा करते हुए बताया कि राज्य में मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म भरने की प्रक्रिया बेहद तेजी और सुचारू रूप से चल रही है। उन्होंने कहा कि बूथ लेवल अधिकारियों के साथ-साथ मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट भी अपनी जिम्मेदारी को बखूबी समझते हुए जमीनी स्तर पर अत्यंत महत्वपूर्ण और सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। दोनों के आपसी समन्वय के कारण ही राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण के शुरुआती 10 दिनों के भीतर ही बीएलओ राज्य के लगभग 66.25% कुल 1,75,31,915 मतदाताओं तक सफलतापूर्वक पहुंच चुकी है, जहां घर-घर जाकर पात्र भारतीय नागरिकों का इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि वर्तमान में 82.11% कुल 2,17,27,827 मतदाताओं की विगत के विशेष गहन पुनरीक्षण के मतदाता सूची से मैपिंग पूरी की जा चुकी है, 17.89% कुल 47,35,409 मतदाता अभी भी अन-मैप्ड है जिनकी सूची सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ साझा की जा रही है एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के ऑफिसियल वेबसाइट ceo.jharkhand.gov.in पर भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि विगत एसआईआर की मतदाता सूची को सुपीरियर डॉक्यूमेंट के रूप में माना गया है जिन मतदाताओं की विगत के एसआईआर से मैपिंग हो गई है उन्हें किसी अन्य प्रकार के दस्तावेज समर्पित नहीं करने होंगे। उन्होंने कहा कि बीएलओ जब घर घर जाएं तो इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर यथाशीघ्र उन्हें लौटा दें ताकि डिजिटाइजेशन के कार्य में तेजी आ सके।

'चार जिलों का संयुक्त प्रहार: डीजीपी का अभेद्य चक्रव्यूह अब डेविल्स ग्रुप का दुस्साहस कुचलेगा'

दैनिक अलग पहचान, अन्नपूर्णा गुप्ता, मुख्य संपादक, नई दिल्ली /

झारखंड के संताल परगना क्षेत्र में पिछले कुछ समय से आतंक का पर्याय बन चुके 'डेविल्स ग्रुप' के विरुद्ध अब पुलिस ने निर्णायक लड़ाई छेड़ दी है। गोड्डा और दुमका सहित आसपास के जिलों में दहशत फैलाने वाले इस संगठित गिरोह को जड़ से समाप्त करने के लिए पुलिस महानिदेशक श्रीमती अंशुल मिश्रा ने एक व्यापक और अभेद्य रणनीति तैयार की है। इस नई योजना के अंतर्गत गोड्डा, दुमका, जामताड़ा और देवघर इन चार जिलों की पुलिस अब संयुक्त रूप से अभियान चलाएगी। अपराधियों को किसी भी सूरत में बच निकलने का अवसर न मिले, इसके लिए एक विशेष संयुक्त टीम का गठन भी किया गया है जिसका नेतृत्व डीएसपी स्तर के अधिकारी करेंगे।

गुरुवार को पुलिस मुख्यालय के सभागार में आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में डीजीपी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इस गिरोह के विरुद्ध ऐसी कठोर और त्वरित कार्रवाई की जाए कि भविष्य में कोई भी व्यक्ति कानून को हाथ में लेने का दुस्साहस न कर सके। इस महत्वपूर्ण बैठक में अभियान के महानिरीक्षक श्री नरेन्द्र कुमार सिंह, दुमका के महानिरीक्षक श्री पटेल मयूर कन्हैयालाल तथा अभियान के पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शर्मा उपस्थित थे। वहीं दुमका के उपमहानिरीक्षक श्री अंबर लकड़ा, दुमका के पुलिस अधीक्षक श्री पीतांबर सिंह खरवार और गोड्डा के पुलिस अधीक्षक श्री मुकेश कुमार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े। बैठक में यह तय किया गया कि संगठित अपराध को समाप्त करने के लिए चारों जिलों में हुई घटनाओं की कड़ियों को एक साथ जोड़कर गहनता से जांच की जाएगी। इसके लिए बनाई गई विशेष टीम प्रत्येक सप्ताह अपनी प्रगति आख्या दुमका के महानिरीक्षक को प्रस्तुत करेगी। डीजीपी ने दुमका क्षेत्र के उपमहानिरीक्षक

को निर्देशित किया कि डेविल्स ग्रुप से जुड़े प्रत्येक संदिग्ध व्यक्ति का भौतिक सत्यापन किया जाए। इसके लिए पुलिस दल इनके संभावित ठिकानों पर जाकर स्वयं पड़ताल करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि कौन कहां रह रहा है और क्या गतिविधियों में लिप्त है।

डीजीपी का जोर केवल गिरफ्तारी पर ही नहीं, बल्कि दोषियों को शीघ्र दंड दिलाने पर भी है। इसके लिए घटनास्थल से वैज्ञानिक और अकाट्य साक्ष्य संकलित करने के निर्देश दिए गए हैं। न्यायालय में मामलों के शीघ्र निपटारे हेतु गवाहों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी तथा अपराधियों की जमानत देने वाले व्यक्तियों का भी पूर्ण सत्यापन किया जाएगा। सरकारी अधिवक्ताओं के साथ समन्वय स्थापित कर इन मामलों का शीघ्र विचारण कराया जाएगा ताकि अपराधियों को अविलंब कारावास की सजा मिल सके। इसके साथ ही इस गिरोह तक अवैध हथियार पहुंचाने वाले तंत्र को ध्वस्त करने के लिए अंतर्राज्यीय समन्वय स्थापित करने का निर्णय भी लिया गया है। इसका उद्देश्य दूसरे राज्यों से आने वाले हथियारों की आपूर्ति श्रृंखला को पूर्णत: काटना है।

जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने और अपराधियों में भय उत्पन्न करने के उद्देश्य से डीजीपी ने आभूषण लूट और छिनतई के सभी पुराने एवं लंबित मामलों की फाइलें पुन: खोलकर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का आदेश दिया है। वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे स्वयं क्षेत्रों का भ्रमण करें और शहरों तथा संवेदनशील स्थानों पर पीसीआर वाहनों द्वारा गहन गश्त बढ़ाएं।

उल्लेखनीय है कि 'डेविल्स ग्रुप' संताल परगना के दुमका, गोड्डा, देवघर और जामताड़ा जिलों में सक्रिय एक अत्यंत शातिर गिरोह है। यह समूह मुख्य रूप से आभूषण दुकानों में बड़ी लूट, राहजनी, हथियार के बल पर लूटपाट और व्यवसायियों से रंगदारी वसूलने जैसी घटनाओं को अंजाम देता है। आधुनिक अवैध हथियारों से लैस इस गिरोह के निशाने पर प्राय: स्वर्णकार और राहगीर रहते हैं। वारदात को अंजाम देने के पश्चात ये अपराधी अक्सर सीमावर्ती राज्यों या पड़ोसी जिलों में जाकर छिप जाते थे, जिसके कारण इनकी गिरफ्तारी में बाधा उत्पन्न होती थी। अब चार जिलों की पुलिस के संयुक्त चक्रव्यूह से इस गिरोह के समूल नाश का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

मैं सलमान, मैं राशिद और मैं असलम...

तौबा-तौबा करते हुए पुलिस थाने पहुंचे 47 मुल्जिम

कहा-कभी गौकशी नहीं करेंगे, अब अपराध से दूर रहेंगे

सहारनपुर (एजेंसी)। सहारनपुर के थाना चिलकाना क्षेत्र में गोकशी के मामलों में पहले संलिप्त रहे 47 आरोपी स्वेच्छा से थाने पहुंचे और भविष्य में अपराध की दुनिया से पूरी तरह दूरी बनाने का संकल्प लिया। इनमें ऐसे आरोपी भी शामिल रहे जिन पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई हो चुकी है। थाने पहुंचे सभी लोगों के हाथों में संदेश लिखी तख्तियां थीं। इन पर कानून का सम्मान करने, अपराध से दूर रहने और ईमानदारी से जीवनयापन करने की बातें लिखी गई थीं। गौकशी मामले मे पुलिस की सख्ती होते देख 47 लोग थाने पहुंचे सभी लोगों के हाथों में संदेश लिखी तख्तियां थीं। इन पर कानून का सम्मान करने, अपराध से दूर रहने और ईमानदारी से जीवनयापन करने की बातें लिखी गई थीं। थाना परिसर में सभी ने पुलिस अधिकारियों के सामने शपथ लेते हुए कहा कि अब वे गोकशी या किसी भी गैरकानूनी गतिविधि में शामिल नहीं होंगे।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि आगे से मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करेंगे और समाज के जिम्मेदार नागरिक के रूप में जीवन बिताएंगे। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने आरोपियों को स्पष्ट रूप से आगाह किया कि यदि भविष्य में कोई भी व्यक्ति दोबारा गोकशी या किसी अन्य अपराध में शामिल पाया गया तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा खाड़ी देशों के बच्चों का मामला

सीबीएसई इवैल्यूएशन स्कीम के खिलाफ होगी सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, कुवैत जैसे खाड़ी देशों में पढ़ाई करने वाले सीबीएसई बोर्ड के 12वीं के स्टूडेंट का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 12वीं के उन स्टूडेंट्स द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई करने पर सहमित जताई है, जिनके सीबीएसई बोर्ड एग्जाम ईरान-अमेरिका युद्ध की वजह से रद्द हो गए थे। इन याचिकाओं में सीबीएसई की असेसमेंट स्कीम यानी मूल्यांकन योजना को चुनौती दी गई है। जस्टिस केवी विश्वनाथन और आलोक अराधे की पीठ ने 30 रेगुलर स्टूडेंट्स द्वारा दायर याचिका पर केंद्र और सीबीएसई को नोटिस जारी किया। ये स्टूडेंट्स मांग कर रहे हैं कि बोर्ड की 27 मार्च, 2026 को जारी की गई मूल्यांकन नीति में बदलाव किया जाए। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने एग्जाम कैंसिल होने से प्रभावित प्राइवेट स्टूडेंट्स के लिए 21 जून की मूल्यांकन नीति को चुनौती देने वाली याचिका पर भी जवाब मांगा है।

खाड़ी देशों ने बताई अपनी परेशानी

सीबीएसई ने बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं रद्द कर दी थीं। इस वजह से स्टूडेंट्स खासे परेशान हो गए। इसके बाद उन्हें इंटरनल असेसमेंट के आधार पर नंबर दिए गए। इस वजह से स्टूडेंट्स को भारत में दिक्कत हो रही है।

'झारखंड बनेगा देश का पहला AI राज्य, 5 साल में 1150 करोड़ खर्च करेगी सरकार'

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

नई दिल्ली। खनिज संपदा के लिए प्रसिद्ध झारखंड अब देश का पहला कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित राज्य बनने जा रहा है। नई दिल्ली के ताज पैलेस में आयोजित 'नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन-2026' में राज्य सरकार ने इसका रोडमैप प्रस्तुत किया। सरकार अगले 5 वर्षों में इस योजना पर 1150 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसका उद्देश्य सरकारी कामकाज को तेज और पारदर्शी बनाना है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और उद्योग जैसे क्षेत्रों में इसका सीधा लाभ मिलेगा। बैठक में 'झारखंड कृत्रिम बुद्धिमत्ता नीति 2026-2031' भी जारी की गई। इसके तहत खनन, पर्यावरण और आपदा प्रबंधन में ड्रोन तकनीक का उपयोग किया जाएगा। सरकार ने डेटा सुरक्षा और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। आम जनता के लिए व्हाट्सएप आधारित सेवाएं, बहुभाषी डिजिटल मंच और पंचायत स्तर तक ऑनलाइन सुविधाएं भी शुरू की जाएंगी। विजन-2050 के तहत सरकार 10,000 करोड़ का निवेश लाकर 50 ग्लोबल सेंटर और 1000+ स्टार्टअप स्थापित करेगी। इससे 1 लाख युवाओं को रोजगार मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

तकनीकी स्नातक परीक्षा की लास्ट डेट बढ़ी, अब 20 जुलाई तक फॉर्म भरने का मौका

रांची, एजेंसी। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की ओर से सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। आयोग ने 'झारखंड तकनीकी/विशिष्ट योग्यताधारी स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2026' (नियमित व बैकलॉग) के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि को आगे बढ़ा दिया है। इस संबंध में जेएसएससी के परीक्षा नियंत्रक की ओर से आधिकारिक अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। इस फैसले से उन तमाम अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिली है, जो किसी कारणवश अब तक अपना फॉर्म नहीं भर पाए थे। संशोधित शेड्यूल के अनुसार, अब इच्छुक और योग्य अभ्यर्थी 20 जुलाई 2026 की मध्य रात्रि तक आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं और अपनी सूचनाएं दर्ज कर सकते हैं। इसके बाद परीक्षा शुल्क का भुगतान करने तथा अपनी फोटो और हस्ताक्षर अपलोड करने के लिए अभ्यर्थियों को 23 जुलाई 2026 की मध्य रात्रि तक का समय दिया गया है। यदि आवेदन फॉर्म भरते समय कोई गलती हो जाती है, तो उसमें ऑनलाइन संशोधन करने के लिए 24 जुलाई से 27 जुलाई 2026 की मध्य रात्रि तक वेबसाइट पर लिंक उपलब्ध रहेगा।

जमशेदपुर में युवक को घेर कर ईंट-पत्थर से मारा फिर गोली मारकर कर दी हत्या

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के जमशेदपुर के मानगो थाना क्षेत्र के गुरुद्वारा रोड में 25-30 युवकों ने मिलकर राहुल कुमार सिंह उर्फ राहुल बच्चा की हत्या कर दी। मृतक राहुल बस्ती के पास का रहनेवाला था। घटना बुधवार शाम करीब सात बजे की है। हमलावरों ने राहुल को पहले लाठी-डंडे से मारा, फिर ईंट व पत्थर से कूच कर और उसके बाद गोलियां मार कर उसकी हत्या कर दी। हालांकि कितनी गोलियां लगी हैं, इसकी जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। घटना के बाद राहुल के साथियों ने टीएमएच में हंगामा किया। वह हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। बाद में पुलिस ने हस्तक्षेप कर मामले को शांत कराया। मानगो गुरुद्वारा रोड निवासी राहुल कुमार सिंह उर्फ राहुल बच्चा श्रीराम स्टोर और मजार के पास स्थित सड़क के पास गाड़ी लेकर खड़ा था। उसके साथ दोस्त भी थे। इसी बीच करीब 25 से 30 युवक आए और हमला कर दिया। जब राहुल गिर कर लहूलुहान हो गया, तो हमलावर वहां से फरार हो गये। इसके बाद राहुल के साथी आये और उसे बाइक से लेकर सीधे टीएमएच पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद युवकों ने हंगामा शुरू कर दिया। बाद में पुलिस टीम वहां पहुंची। घटना के चश्मदीद आयुष दुबे ने बताया कि एक लड़की के चक्कर में विवाद शुरू हुआ था। इंस्टाग्राम पर शब्बे और राहुल के बीच कहा-सुनी शुरू हुई थी। लगातार देख लेने की धमकी भी दी गई थी। घटना की सूचना मिलने के बाद उक्त लड़की टीएमएच पहुंची, इसके बाद आक्रोशित युवकों ने उक्त लड़की को वहां से भगा दिया। इसके बाद लड़की रोते हुए वहां से चली गई। इस दौरान पुलिस को भी हस्तक्षेप करना पड़ा। राहुल कुमार सिंह उर्फ राहुल बच्चा करीब एक साल पहले जमानत पर जेल से बाहर आया था। उस पर आपराधिक मुकदमा दायर था। वहीं, शब्बे भी आर्म्स एक्ट और हत्या के मामले में पूर्व में जेल गया था। अभी जमानत पर बाहर है।

रतन लकड़ा मौत मामले में मैसेंजर बर्खास्त, बैंक मैनेजर के खिलाफ जांच शुरू

बड़गड़, एजेंसी। पेंशन न मिलने के कारण इलाज के अभाव में हुई रतन लकड़ा की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर गढ़वा उपायुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा द्वारा गठित प्रशासनिक जांच टीम ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। उपायुक्त ने पुष्टि की है कि जांच रिपोर्ट में बैंक प्रबंधन की गंभीर लापरवाही उजागर हुई है, जिसके आधार पर संबंधित बैंक प्रबंधक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। इससे पूर्व, मामले की गंभीरता को देखते हुए झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक अरुण कुमार और क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारी अभिषेक कुमार अखौरी ने बड़गड़ वनांचल ग्रामीण बैंक शाखा पहुंचकर मामले की विभागीय जांच शुरू की थी। अधिकारियों ने मृतक के आवास पर जाकर उनकी पत्नी रेपा लकड़ा, पुत्र अनिल लकड़ा और पुत्रवधू फुलमनी लकड़ा समेत अन्य ग्रामीणों से मुलाकात की थी। परिजनों ने बैंक कर्मियों द्वारा किए गए कथित अमानवीय व्यवहार और पेंशन निकासी के लिए बार-बार चक्कर लगवाने की शिकायत दर्ज कराई थी। विभागीय स्तर पर कार्रवाई करते हुए बैंक में कार्यरत मैसेंजर हेमंत कुमार उर्फ नंदलाल को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। वहीं, शाखा प्रबंधक कृष्ण कुमार के खिलाफ विभागीय जांच अभी भी जारी है। क्षेत्रीय प्रबंधक ने स्पष्ट किया है कि ग्राहकों के साथ असम्मानजनक व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जांच पूरी होने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासनिक जांच रिपोर्ट में लापरवाही की आधिकारिक पुष्टि होने के बाद दोषी अधिकारियों पर गाज गिरना तय माना जा रहा है।

जगन्नाथपुर रथ मेला के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर बैठक

● जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची श्री मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में बैठक ● सभी विभागों को समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश ● सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, चिकित्सा, विद्युत व्यवस्था, इमरजेंसी आदि को लेकर संबंधित पदाधिकारी को दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

● रथ मेला आस्था एवं सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण आयोजन, सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ ससमय अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सुनिश्चित करें - जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची। जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में जगन्नाथपुर रथ मेला के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेले की तैयारियों से संबंधित सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को समय सीमा के भीतर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची राकेश रंजन, पुलिस अधीक्षक (यातायात) राकेश सिंह, पुलिस अधीक्षक (नगर) पारस राणा, अनुमंडल पदाधिकारी सदर कुमार रजत, सहायक समाहर्ता आस्था शरण, अपर समाहर्ता (विधि-व्यवस्था) धनंजय, नजारत उप समाहर्ता सुदेश कुमार, जिला खेल पदाधिकारी, (DPRO), जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडेय, जिला खेल पदाधिकारी शिवेंद्र कुमार, आवासीय दंडाधिकारी हटिया स्मृति कुमारी, अंचल अधिकारी नामकुम कमल किशोर, डीएसपी हटिया, संबंधित थाना प्रभारी, मंदिर समिति/न्यास समिति के प्रतिनिधि एवं मेला बंदोबस्ती संवेदक उपस्थित थे।

जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि रथ मेला आस्था एवं सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण आयोजन है। इसे ध्यान में रखते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय के भीतर अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सुनिश्चित करें, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

बैठक में मेला परिसर में बनाए जा रहे रथ, पंडाल, मंच एवं पब्लिक एड्रेस (क्क) सिस्टम का संबंधित सक्षम प्राधिकार से सुरक्षा एवं गुणवत्ता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने का निर्देश दिया गया।

जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा मेला परिसर एवं आसपास के सभी क्षेत्रों में निर्बाध एवं पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि विद्युत सुरक्षा के सभी मानकों का पालन करते हुए अस्थायी विद्युत व्यवस्था की नियमित जांच की जाए।

राहुल हत्याकांड: रात में हत्या, सुबह आरोपी का एनकाउंटर, पुलिस के सामने किया था सरेंडर

जमशेदपुर, एजेंसी। जिले के मानगो थाना क्षेत्र में पुलिस और आरोपियों के बीच मुठभेड़ हुई है। एनकाउंटर में राहुल हत्याकांड के मुख्य आरोपी साहेब सिंह उर्फ शब्बे को गोली लगी है। उसे इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 8 जुलाई की रात को राहुल सिंह उर्फ राहुल बच्चा की हत्या हुई थी। घटना में मुख्य आरोपी समेत तीन लोगों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था।

मामले को लेकर जमशेदपुर सिटी एसपी ललित मीणा ने बताया कि मानगो थाना क्षेत्र के मुंशी मोहल्ला मजार गली के पास राहुल सिंह उर्फ राहुल बच्चा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में मुख्य आरोपी साहेब सिंह उर्फ शब्बे समेत आफताब और सौरभ दत्ता उर्फ बंगाली ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था।

घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार को बरामद करने के लिए तीनों आरोपियों को रोड नंबर 14 पर स्थित जंगल वाले इलाके में ले जाया गया। आरोपियों की निशानदेही पर एक लोडेड पिस्टल और एक खाली पिस्टल बरामद की गई। इसी दौरान मुख्य आरोपी साहेब सिंह उर्फ शब्बे ने भागने का प्रयास किया और पुलिस टीम पर दो राउंड फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान सब-इंस्पेक्टर संजय द्वारा की गई फायरिंग में शब्बे के पैर में गोली लग गई। घायल आरोपी को तत्काल एमजीएम अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है। सीटी एसपी ने बताया कि यदि पुलिस आत्मरक्षा में कार्रवाई नहीं करती, तो पुलिसकर्मियों की जान को खतरा हो सकता था। इस हत्याकांड मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पलामू में ग्रामीणों का हंगामा, पुलिस टीम पर किया पथराव, दो जवान घायल

पलामू, एजेंसी। जिले के सदर थाना क्षेत्र के चियांकी इलाके में नेशनल हाईवे फोरलेन के कंस्ट्रक्शन साइट पर गुरुवार को जमकर हंगामा हुआ है। इस दौरान ग्रामीणों और प्रशासनिक टीम के बीच झड़प हो गई। ग्रामीणों ने पुलिस और प्रशासनिक टीम पर पथराव किया, जिसमें जैप के राजमोहन सिंह और सहायक पुलिस की महिला जवान प्रिया सिंह घायल हो गई।

दोनों को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद डीएसपी राजेश यादव एवं वरीय अधिकारी मौके पर पहुंचकर कैंप कर रहे हैं। ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे को कुछ देर के लिए जाम कर दिया था।

दरअसल, नेशनल हाईवे फोरलेन कार्य के लिए चियांकि इलाके में जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। जमीन अधिग्रहण के मुआवजा को लेकर ग्रामीणों के साथ विवाद चल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें मुआवजा नहीं मिला है और निर्माण कार्य शुरू हो रहा है। पूरे हालात को देखते हुए सदर एसडीएम संजय पांडेय ने 9 और 10 जुलाई को चियांकि इलाके में निषेधाज्ञा लागू किया था।

गुरुवार को कंस्ट्रक्शन के लिए जमीन अधिग्रहण करने प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची थी। इस दौरान ग्रामीणों और प्रशासनिक टीम के बीच बहस हो गई और इसके बाद ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। समाचार लिखे जाने तक हंगामा जारी था और पुलिस एवं प्रशासनिक टीम ग्रामीणों के साथ बातचीत कर रहे थे। सदर थाना प्रभारी अफजल अंसारी ने बताया कि चियांकि इलाके में पथराव हुआ है। पूरे मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। कुछ जवानों को चोट भी लगी है।

लोहरदगा के आवासीय स्कूल में चार छात्राओं को सांप ने काटा, एक की मौत, एक रिम्स रेफर

लोहरदगा, एजेंसी। जिले के कुडू थाना क्षेत्र स्थित एक निजी आवासीय विद्यालय में सांप घुसने से बड़ा हादसा हो गया। कमरे में सो रही चार छात्राओं को सांप ने डस लिया। सभी को इलाज के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक छात्रा की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर होने पर उसे रांची के रिम्स में रेफर किया गया है। घटना के बाद विद्यालय परिसर में दहशत का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

कुडू थाना क्षेत्र के सलगी पंचायत के रोचो महुवा टोली स्थित निजी विद्यालय संवसीरा हायर सेकेंडरी आवासीय विद्यालय में कुछ छात्राएं रहकर पढ़ाई कर रही थीं। भोजन के बाद सभी छात्राएं अपने कमरे में थीं। इसी दौरान एक करैत सांप कमरे में घुस गया और सबसे पहले सेन्हा थाना क्षेत्र के अलौदी नावाटोली निवासी 12 वर्षीय वर्षा उरांव को डस लिया। वर्षा के शोर मचाने पर सांप ने फुलमनिया उरांव, अनिषा उरांव और मनीषा कुमारी को भी डस लिया। छात्राओं की चीख-पुकार सुनकर विद्यालय के शिक्षक मौके पर पहुंचे और चारों को तत्काल इलाज के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल पहुंचाया। सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद वर्षा उरांव को मृत घोषित कर दिया।

छात्रा फुलमनिया उरांव को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर किया गया। मनीषा कुमारी का इलाज लोहरदगा सदर अस्पताल में चल रहा है, जबकि अनिषा उरांव का उपचार एक निजी अस्पताल में कराया गया। सभी छात्राओं की उम्र 12-13 साल है। संवसीरा हायर सेकेंडरी आवासीय विद्यालय का भवन अभी निर्माणाधीन है। इसी परिसर में कुछ छात्राएं रहकर पढ़ाई कर रही थीं। घटना के बाद विद्यालय संचालक अनूप उरांव ने बताया कि सांप कमरे में कैसे पहुंचा, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी। हालांकि घटना के तुरंत बाद सभी छात्राओं को अस्पताल पहुंचाया गया।

इस दर्दनाक घटना ने आवासीय विद्यालयों में सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खासकर बरसात के मौसम में जहरीले सांपों के खतरे को देखते हुए छात्रावासों और विद्यालय परिसरों में नियमित निगरानी, साफ-सफाई और सुरक्षा उपायों की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गोड्डा के रहने वाले सेना के जवान श्रीनगर से लापता,

छः दिन बाद भी सुराग नहीं मिलने से परिजन परेशान

गोड्डा, एजेंसी।

झारखंड के गोड्डा जिला के महागामा प्रखंड अंतर्गत सरभंगा पंचायत निवासी भारतीय सेना के जवान वासुदेव राय के सुरक्षा कैंप से लापता होने की सूचना परिजनों को कैंप से मिली है।

छह दिन बीतने के बावजूद जवान का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इससे परिवार गहरे सदमे और चिंता में है, उन्होंने सरकार और सेना से जवान को सकुशल वापसी की मांग कर रहे हैं। बता दें कि तीन माह पूर्व ही जवान की शादी हुई है।

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, वासुदेव राय 151 इन्फेंट्री बटालियन (जाट रेजीमेंट) में तैनात हैं और जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में अपनी सेवाएं दे रहे थे। बताया जा रहा है कि ड्यूटी के दौरान वे सुरक्षा कैंप से लापता हो गए। घटना के बाद से सेना द्वारा खोजबीन की जा रही है लेकिन अभी तक उनके संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी परिवार को नहीं मिल सकी है।

इस पर जवान के परिजन लगातार अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं। परिवार का कहना है कि छह दिन बीत जाने के बाद भी उन्हें यह नहीं बताया गया कि जवान कहां हैं और उनकी तलाश किस स्तर पर चल रही है। परिजनों ने भावुक अपील करते हुए कहा कि भारतीय सेना अपने अनुशासन और सुरक्षा व्यवस्था के लिए जानी जाती है। ऐसे में यदि कोई जवान लापता हो जाता है तो मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए केंद्र सरकार और संबंधित सैन्य अधिकारी तत्काल संज्ञान लें तथा व्यापक स्तर पर खोज अभियान चलाकर जवान को सकुशल बरामद करें।

जवान की पत्नी ने बताया कि उसकी आखिरी बात 1 जुलाई को हुई थी। हालांकि बाद में उनके मोबाइल मे दो मिस्ड कॉल था जो रिसीव नहीं हो सका था लेकिन फिर कॉल करने पर बात नहीं हुई।

परिवार की मांग- हमें हमारा बेटा सही-सलामत वापस चाहिए

गांव में भी इस घटना को लेकर चिंता का माहौल है। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों ने भी सरकार तथा सेना से अपील की है कि जवान की जल्द से जल्द सुरक्षित वापसी हो और उसके परिवार तक पहुंचाया जाए। पूरे क्षेत्र की निगाहें अब प्रशासन और सेना की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

जमशेदपुर के मानगो में युवक की गोली मारकर हत्या, प्रेम प्रसंग की आशंका

जमशेदपुर, एजेंसी। जिले के मानगो थाना क्षेत्र में बाइक सवार अज्ञात अपराधियों ने एक युवक पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी, जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी मौके से फरार हो गए। मृतक की पहचान राजू उर्फ बच्चा के रूप में हुई है। यह घटना मानगो थाना क्षेत्र अंतर्गत मुंशी मोहल्ला में हुई है।

बताया जा रहा है कि अपराधियों ने राजू उर्फ बच्चा पर अचानक अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गोली चलने से क्षेत्र में अफरा तफरी का माहौल बन गया। मौके पर कुछ लोगों ने राजू उर्फ बच्चा को टीएमएच पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद से क्षेत्र में तनाव का माहौल है। कुछ लोगों का कहना है कि प्रेम प्रसंग में यह गोली चली है। हालांकि आधिकारिक तौर पर अभी कारण साफ नहीं हो पाया है।

इधर, सूचना मिलते ही मानगो थाना पुलिस और वरीय पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल को घेरकर जांच शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की गई है। घटनास्थल पर पहुंचे जमशेदपुर सीटी एसपी ललित मीणा ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। हत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

रथ मेला 2026: मंदिर न्यास समिति का बड़ा दावा, श्रद्धालुओं के लिए व्यापक इंतजाम

रांची, एजेंसी। रथ मेला 2026 की तैयारियों और मंदिर परिसर में चल रहे विकास कार्यों को लेकर सोमवार को जगन्नाथपुर मंदिर परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में मंदिर न्यास समिति ने तैयारियों का विस्तृत ब्यौरा साझा किया। समिति ने कहा कि इस वर्ष रथ मेले को भव्य, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं अंतिम चरण में हैं।

श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और धार्मिक परंपराओं के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। प्रेस वार्ता को मंदिर न्यास समिति के अध्यक्ष एन।एन। पांडेय, सचिव प्रसन्न कुमार, समिति सदस्य कमल ठाकुर और गोपाल उपाध्याय ने संयुक्त रूप से संबोधित किया। इस दौरान पिछले दो महीनों में मंदिर परिसर में किए गए विकास कार्यों और आगामी रथ मेले की तैयारियों की जानकारी दी गई।

समिति के अध्यक्ष एन।एन। पांडेय ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध पेयजल की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। मंदिर परिसर, प्रवेश मार्गों और पूजा स्थलों की साफ-सफाई को और बेहतर बनाया गया है। रथ

मेले को देखते हुए भीड़ प्रबंधन, बैरिकेडिंग तथा प्रवेश और निकास मार्गों की विशेष व्यवस्था की जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है। परिसर और आसपास के क्षेत्रों में प्रकाश व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया गया है। वहीं भगवान जगन्नाथ की दैनिक पूजा-पाठ, भोग और धार्मिक अनुष्ठानों को अधिक व्यवस्थित ढंग से संचालित किया जा रहा है।

समिति के अनुसार रथ मेले की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के साथ लगातार बैठकें आयोजित की जा रही हैं तथा सभी व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा की जा रही है। श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंदिर परिसर में कई विकास कार्य भी शुरू किए गए हैं। धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन को अधिक व्यवस्थित और परंपरानुसार संपन्न कराने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ ही स्वच्छता, अनुशासन और सेवा व्यवस्था की नियमित निगरानी की जा रही है।

प्रेस वार्ता में बताया गया कि भगवान जगन्नाथ की स्नान यात्रा के बाद महाप्रभु के पवित्र स्नान जल को छोटी-छोटी बोतलों में पैक कर हजारों श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया गया। समिति के अनुसार इस पहल से श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था का सम्मान हुआ और भीड़ प्रबंधन में भी काफी मदद मिली।

इस दौरान मंदिर परिसर में ड्यूटी के दौरान दिवंगत हुए सुरक्षा प्रहरी स्वर्गीय बिरसा मुंडा के परिवार को मंदिर न्यास समिति की ओर से पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दिए जाने की भी जानकारी दी गई। समिति ने इसे सामाजिक दायित्व और दिवंगत के परिवार के प्रति संवेदनशीलता का प्रतीक बताया।

समिति के अध्यक्ष एन।एन। पांडेय ने कहा कि रथ मेला-2026 को भव्य, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा मंदिर के समग्र विकास के लिए समिति पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

माध्यमिक स्तर पर स्कूल छोड़ने वाले स्टूडेंट्स 3।5 से बढ़कर 6।6 प्रतिशत हुए

रांची, एजेंसी। केंद्र सरकार ने वर्ष 2025-26 के यू-डायस का रिपोर्ट जारी कर दिया है। झारखंड में प्राथमिक से लेकर प्लस टू विद्यालय तक में विद्यार्थियों के ड्रापआउट दर में वृद्धि हुई है। हलांकि इसके बाद भी राष्ट्रीय औसत में झारखंड की स्थिति काफी बेहतर है। राज्य में हाईस्कूल स्तर पर विद्यालय छोड़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या सबसे अधिक है। राज्य में 6.6 फीसदी विद्यार्थी हाईस्कूल स्तर पर विद्यालय छोड़ देते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर यह आकड़ा 9।5 फीसदी का है। राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2024-25 की तुलना में इस वर्ष माध्यमिक स्तर पर ड्रापआउट दर में सुधार हुआ है। राष्ट्रीय स्तर पर पिछले वर्ष हाईस्कूल स्तर पर स्कूल छोड़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या 11.5 फीसदी थी। इसमें लगभग दो फीसदी की कमी आई है। वहीं झारखंड में यह आकड़ा 3.50 फीसदी से बढ़कर 6।6 फीसदी हो गया है। मध्य विद्यालय स्तर पर भी राज्य में ड्रापपाउट रेट 1.70 से बढ़कर 2.50 हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार राज्य के स्कूलों में औसतन 169 बच्चे नामांकित है। यह राष्ट्रीय औसत के बराबर है। राष्ट्रीय स्तर पर भी एक विद्यालय में 169 बच्चे नामांकित है। राज्य में ऑवरऑल छात्र शिक्षक अनुपात में कोई बदलाव नहीं हुआ है। प्राथमिक से लेकर प्लस टू स्तर तक मिलाकर राज्य में 36 विद्यार्थी पर एक शिक्षक कार्यरत हैं। जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह संख्या 24 है। राज्य में प्लस टू स्तर पर छात्र शिक्षक अनुपात बढ़ा है। वर्ष 2024-25 में प्लस टू स्तर पर 47 विद्यार्थी पर एक शिक्षक कार्यरत थे यह बढ़कर अब 52 हो गया है। प्राथमिक व मध्य विद्यालय में छात्र शिक्षक अनुपात में पूर्व की तुलना में सुधार हुआ है।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस की बैठक, बोले- राजेश कच्छप, अंतिम योग्य वोटर का नहीं कटने देंगे नाम

रांची, एजेंसी। झारखंड में चल रहे मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस इन दिनों लोकसभा स्तर पर बैठक करने में जुटी है। बैठक के जरिए सभी योग्य मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट में शामिल कराने को लेकर तत्पर है। इसी को लेकर बुधवार को रांची के प्रेस क्लब सभागार में रांची लोकसभा क्षेत्र की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में एसआईआर को लेकर समीक्षा की गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, प्रदेश कांग्रेस सह प्रभारी सिरी बेला, खिजरी विधायक राजेश कच्छप आदि नेता मौजूद रहे। इस दौरान पार्टी ने रांची लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं को चिन्हित करने का निर्णय लेते हुए उन्हें एसआईआर प्रक्रिया पूर्ण कराने का फैसला लिया। बैठक में यह पाया गया कि रांची लोकसभा क्षेत्र में जितने भी वोटर हैं, उनमें अभी तक 73% ही वोटर को चिन्हित किया गया है। एसआईआर के जरिए भोले भाले अल्पसंख्यक एवं आदिवासियों का नाम, वोटर लिस्ट से हटाने की साजिश बताते हुए कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि चुनाव आयोग और भाजपा की यह साजिश नहीं चलेगी। एसआईआर को लेकर हम जनता के बीच जागरूकता फैलाने में जुटे हैं और किसी भी योग्य मतदाता का नाम नहीं कटे, इसके लिए पार्टी पूरी तरह से तत्पर है क्योंकि इसके जरिए मतदाता सूची से ही नाम नहीं हटेगा बल्कि जो सरकारी योजना चल रही है, उससे भी उन्हें हाथ धोना पड़ेगा। बैठक में कुछ नेताओं ने अपनी ही सरकार के अधिकारियों द्वारा उनकी बात नहीं माने जाने पर नाराजगी जताई। इस संबंध में जब विधायक राजेश कच्छप से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सभी लोगों की बात अधिकारी माने क्योंकि कोई भी सरकारी काम अधिकारियों के माध्यम से ही होता है। ऐसे में अधिकारी यदि जनता की समस्या को नहीं समझेंगे और उन्हें दूर नहीं किया जाएगा, जिससे परेशानी जरूर होगी।

कोडरमा के गांधी चौक पर सुबह-सुबह हादसा:बेकाबू कार ने मारी टक्कर

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांधी चौक के पास बुधवार सुबह एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित कार ने सड़क किनारे बैठे लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन लोग घायल हो गए, जबकि एक नाश्ते का ठेला भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की रफ्तार काफी तेज थी। चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को संभालने में जुट गए। जानकारी के अनुसार, रितेश कुमार नामक युवक कोडरमा में एक धर्मशाला में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने आया था। बुधवार सुबह वह अपने एक रिश्तेदार की कार की चाबी लेकर उसमें बैठ गया और बिना किसी सूचना के बाजार की ओर निकल पड़ा।गांधी चौक पहुंचते ही उसका कार से नियंत्रण हट गया और सड़क किनारे बैठे तीन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में दीपक कुमार राम, शिवा सिंह और उमेश कुमार घायल हो गए, जिन्हें मामूली चोटें आई हैं। टक्कर इतनी तेज थी कि कार आगे बढ़ते हुए सड़क किनारे लगे नाश्ते के ठेले से जा टकराई। जिससे ठेला पलट गया। कार पास की दीवार से टकराकर रुक गई।

रामगढ़ में मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़

हथियार बनाने की मशीनें और भारी मात्रा में पुर्जे बरामद, दंपती गिरफ्तार

रामगढ़, एजेंसी। जिले में पुलिस ने अवैध हथियार निर्माण और तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक मिनी गन फैक्ट्री का पर्दाफाश किया। रामगढ़ और हजारीबाग जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने भुरकुंडा ओपी क्षेत्र के ए।के। कोलियरी (दत्तो) स्थित एक मकान में छापेमारी कर अवैध हथियार निर्माण इकाई का खुलासा किया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक दंपती को भी गिरफ्तार किया है। मौके से तीन अर्द्धनिर्मित 7।65 एमएम पिस्टल, हथियार निर्माण में प्रयुक्त मशीनें, मैगजीन, फायरिंग पिन सहित बड़ी मात्रा में स्पेयर पार्ट्स और दूसरे उपकरण बरामद किए गए हैं।

रामगढ़ के पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत ने बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि अवैध हथियार निर्माण एवं तस्करी की गुप्त सूचना मिलने के बाद रामगढ़ और हजारीबाग पुलिस की संयुक्त टीम का गठन किया गया। टीम ने बुधवार देर रात भुरकुंडा ओपी क्षेत्र के ए।के। कोलियरी दत्तो निवासी दिनेश विश्वकर्मा के घर पर विधिवत छापेमारी की। तलाशी के दौरान घर के भीतर अवैध रूप से संचालित मिनी हथियार निर्माण फैक्ट्री का खुलासा हुआ।

पुलिस ने मौके से दिनेश विश्वकर्मा (45) और उसकी पत्नी नूतन देवी (38) को गिरफ्तार किया। दोनों मूल रूप से बिहार के नवादा जिले के वारसलीगंज के रहने वाले हैं और वर्तमान में ए। के। कोलियरी, दत्तो में रह रहे थे। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली है कि दोनों पिछले कुछ समय से अवैध हथियार तैयार कर अपराधियों तक उनकी आपूर्ति करने में संलिप्त थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि

तैयार हथियार किन-किन जिलों और अपराधी गिरोहों तक पहुंचाए जाते थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने तीन अर्द्धनिर्मित 7।65 एमएम पिस्टल बॉडी, नौ मैगजीन, छह फायरिंग पिन, तीन बॉडी लॉक पिन, तीन कॉक पिन, तीन ट्रिगर, तीन मैगजीन लॉक पिन, चार स्प्रिंग, छह बट कवर तथा पिस्टल निर्माण में प्रयुक्त अन्य कल-पुर्जे बरामद किए। इसके अलावा ड्रिल मशीन, गैस कटर मशीन, वेल्डिंग मशीन, पिस्टल निर्माण में प्रयुक्त विशेष उपकरण, रेलवे पटरी के टुकड़े, लोहे की चादरें, टूल बॉक्स, हेक्सा ब्लेड, हथौड़े, रिंच, चिमटा, भट्ठी, दो मोबाइल फोन तथा एक एक्टिवा-5जी स्कूटी भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार बरामद मशीनों और उपकरणों का उपयोग हथियारों के निर्माण और फिनिशिंग के लिए किया जा रहा था।

आरोपियों के खिलाफ पतरातू (भुरकुंडा ओपी) थाना कांड संख्या-165/26, दिनांक 8 जुलाई 2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)(ए), 25(1ए), 26 एवं 35 के तहत मामला दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। मामले के अनुसंधान के लिए पतरातू अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। यह टीम अवैध हथियार निर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल के स्रोत, हथियारों के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज, खरीददारों, सप्लाई नेटवर्क तथा इस पूरे गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है।

वायनाड लैंडस्लाइड में अबतक 6 लोगों की मौत, मरने वालों में 1-1 बिहार- झारखंड के प्रवासी मजदूर

रांची, एजेंसी। केरल के वायनाड में हुई लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या बढ़कर 6 हो गई है। बृहस्पतिवार को आपदा स्थल से तीन और शव निकाले गए। यह जानकारी पीटीआई न्यूज एजेंसी ने जिले के अधिकारियों के हवाले से दी है।

जानकारी के अनुसार मरने वालों में एक बिहार और एक झारखंड का प्रवासी मजदूर भी शामिल है। बिहार के प्रवासी मजदूर का नाम मोहम्मद इमरान है, जबकि झारखंडी मजदूर की पहचान अनमोल डोडराई के रूप में हुई है।

वायनाडके अधिकारियों ने बताया कि जो तीन शव बरामद किए गए हैं उनकी पहचान प्रवासी श्रमिकों के रूप पर हुई है। इनकी पहचान उत्तर प्रदेश के सर्वेक्षणकर्ता अजहरुद्दीन अंसारी, हिमाचल प्रदेश के रहने वाले इंजीनियर राहुल शर्मा और बिहार निवासी खुदाई करने वाली मशीन (एक्सकेवेटर) के ऑपरेटर मोहम्मद इमरान के रूप में हुई है। केरल के मंत्री एपी अनिल कुमार और टी सिद्दिक ने पत्रकारों को बताया था कि वायनाड भूस्खलन में आपदा स्थल से एक शव जबकि अन्य दो शव नदी से बरामद किए गए हैं।

मंत्री अनिल कुमार ने मीडिया को बताया कि इलाके के जोन एक और दो में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। नदी के पास भी तलाशी अभियान पर ध्यान दिया गया है। सिद्दिक ने कहा कि शवों का पोस्टमार्टम व्यिथिरी तालुक अस्पताल में किया जाएगा और कोझिकोड सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उन्हें संरक्षित करके रखा जाएगा।

सीएम हेमंत सोरेन के सामने गूगल के पीआर हेड बोले- मैं पलामू का ही हूं

रांची, एजेंसी। झारखंड में औद्योगिक निवेश, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , ई-गवर्नेंस और पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा देने के उद्देश्य से बुधवार को नई दिल्ली स्थित होटल ताज में दो दिवसीय नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन का शुभारंभ हुआ। पहले दिन आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल गवर्नेंस और भविष्य की तकनीकों पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। वहीं विभिन्न कंपनियों के साथ मीटिंग कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित भी किया।

कार्यक्रम में गूगल के पब्लिक रिलेशन हेड राजेश रंजन ने मंच से कहा कि वह भी झारखंड की माटी से आते हैं। उन्होंने कहा कि मैं झारखंड के पलामू से आता हूं। उनके इस वक्तव्य पर पूरा हॉल तालियों से गूंज गया। उन्होंने कहा कि गूगल झारखंड का पूरा साथ देगा और राज्य के विकास में कंधे से कंधा मिलाकर चलेगा। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी समाज में ऊंच-नीच की खाई को पाटकर समानता लाने का सबसे बेहतरीन जरिया है। राजेश रंजन ने कहा कि गूगल का मुख्य फोकस झारखंड के युवाओं को हर संभव अवसर उपलब्ध कराना। इसके लिए गूगल राज्य में बड़े पैमाने पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का संचालन करेगा।

कार्यक्रम में माइक्रोसॉफ्ट, गूगल सहित विभिन्न अग्रणी तकनीकी संस्थानों एवं उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों ने झारखंड में डिजिटल इकोसिस्टम को मजबूत करने, आईटी निवेश को बढ़ावा देने और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप राज्य को तैयार करने को लेकर अपने सुझाव साझा किए।

इस मौके पर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, उद्योग मंत्री संजय कुमार यादव, नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार,विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, आइटी सचिव पूजा सिंघल,उद्योग सचिव अरवा राजकमल, पीआरडी के विशेष सचिव राजीव लोचन बक्शी, उद्योग निदेशक विशाल सागर, आइटी निदेशक माधवी मिश्रा उपस्थिति थे।

15 मिनट में लूट लिए 6 लाख नगद और जेवरात

गोड्डा में तीन अपराधियों ने बंगाल ज्वैलर्स को लूटा, फायरिंग करते हुए हो गए फरार

गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा शहर के कारगिल चौक से महज 50 फीट दूर स्थित बंगाल ज्वैलर्स को बाइक सवार 3 अपराधियों ने महज 10 से 15 मिनट में लूट लिया। बिना नंबर की बाइक में पहुंचे अपराधियों में एक दुकान के दरवाजे पर रहा बाकि दो भीतर घुस गए। दुकानदार के ऊपर पिस्टल तान दी।

जानकारी के मुताबिक तकरीबन 6 लाख रुपए नगद और सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। तीन अपराधियों में एक ने बड़ी आसानी से हथियार दिखा कर लोगों को डराया, बाकि के दो साथी थैले में पैसे-जेवर लेकर आसानी से भीड़-भाड़ के बीच एक ही बाइक पर सवार होकर निकल गए।

लूटपाट की इस घटना सीसीटीवी भी सामने आया है। अपराधी जब घटना को अंजाम दे रहे थे तब सड़क पर खासा भीड़ थी। अपराधियों के हाथ में हथियार देख कोई सामने जाने की हिम्मत नहीं कर सका। आसपास के दुकानदार ज्वैलरी शॉप के पास गए भी पर अपराधियों के रवैये को देख कर भाग गए। शॉप में जब लूटपाट की घटना को अंजाम दिया जा रहा था तब दुकान में दो ग्राहक भी थे।

पीड़ित दुकानदार बासुदेव राय के मुताबिक लूटपाट कर रहे तीनों बदमाश काले कपड़े, काले नकाब और पिस्तौल से लैस होकर ब्लू रंग की आपाचे बाइक से पहुंचे थे। एक अपराधी बाइक पर बाहर निगरानी करता रहा, जबकि दो बदमाश दुकान में घुसे। मौके पर मौजूद ग्राहक हथियार देखते ही अपनी जान बचाकर बाहर भाग निकले। इसके बाद अपराधियों ने लूटपाट शुरू कर दिया।

जानकारी के मुताबिक लूट के बाद बदमाश दुकान से बाहर निकले और बाइक पर सवार होकर पथरगामा रोड की ओर भाग निकले। भागते समय भी उन्होंने फायरिंग की। बताया जा रहा है कि पूरे घटनाक्रम के दौरान चार से छह राउंड फायरिंग की गई। दुकान के भीतर भी फायरिंग की गई है।

घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी हेडक्वार्टर जेपीएन चौधरी, नगर थाना प्रभारी दिनेश महली, इंस्पेक्टर मधुसूदन मोदक सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने अपराधियों का पीछा शुरू किया पर सफल नहीं हो सके। आशंका है कि बदमाश बिहार सीमा की ओर भागे हैं।अब पुलिस सीमावर्ती इलाकों में नाकेबंदी कर लगातार छापेमारी कर रही ही है।

इस घटना के बाद गोड्डा शहर के दुकानदार डरे हुए हैं। वहीं उनमें खासा नाराजगी भी है।

सबसे अधिक राजस्व देने वाले धनबाद रेल मंडल को जोन बनाने की उठी मांग, संसदीय समिति की बैठक में हुई चर्चा

धनबाद, एजेंसी। देश के सबसे अधिक राजस्व अर्जित करने वाले रेल मंडलों में शामिल धनबाद को रेलवे जोन का दर्जा देने की मांग एक बार फिर जोर-शोर से उठी है। धनबाद मंडल संसदीय समिति की बैठक में क्षेत्र के सांसदों ने नई ट्रेनों के परिचालन, ट्रेनों के ठहराव, मार्ग विस्तार, फेरे बढ़ाने और यात्री सुविधाओं को लेकर रेलवे अधिकारियों के समक्ष कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यदि धनबाद को रेलवे जोन बनाया जाता है तो न केवल रेल संचालन को मजबूती मिलेगी, बल्कि पूरे कोयलांचल के विकास को भी नई रफ्तार मिलेगी।

धनबाद मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में आयोजित संसदीय समिति की बैठक में रेलवे से जुड़े जनहित के मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता पलामू सांसद वीडी राम ने की, जबकि पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक समेत मंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान धनबाद सांसद ढुल्लु महतो ने कहा कि धनबाद रेल मंडल देश के सबसे अधिक राजस्व अर्जित करने वाले मंडलों

में शामिल है और कोयला लदान में भी इसकी अहम भूमिका है। ऐसे में धनबाद को रेलवे जोन का दर्जा दिया जाना चाहिए। उन्होंने जम्मू जाने वाली ट्रेन को कटरा तक विस्तारित करने, गंगा-दामोदर एक्सप्रेस को पटना से आगे बक्सर तक चलाने, बक्सर के लिए नई ट्रेन शुरू करने तथा कई ट्रेनों के नियमित परिचालन की भी मांग रखी।

बैठक में पलामू, चतरा और गिरिडीह संसदीय क्षेत्रों से जुड़े रेल विकास के मुद्दे भी प्रमुखता से उठाए गए। सांसदों ने नई रेल परियोजनाओं में तेजी लाने, विभिन्न स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव की व्यवस्था करने, मार्ग विस्तार, यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा लंबित योजनाओं को जल्द पूरा करने की मांग की। चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने अपने क्षेत्र की दो प्रमुख रेल समस्याओं को उठाया, जबकि गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने भी क्षेत्र की रेल जरूरतों को विस्तार से रखा।

संसदीय समिति की बैठक का उद्देश्य सांसदों के माध्यम से जनता की रेल संबंधी समस्याओं और मांगों को सीधे रेलवे प्रशासन तक पहुंचाना तथा उनके समाधान की दिशा में पहल करना है। बैठक में रेलवे अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों के सुझावों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए भरोसा दिलाया कि जिन प्रस्तावों का समाधान मंडल स्तर पर संभव होगा, उन पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं नीति स्तर से जुड़े मामलों को रेलवे बोर्ड और संबंधित उच्च अधिकारियों के पास भेजा जाएगा। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि यात्री सुविधाओं के विस्तार और रेल सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम लगातार उठाए जाएंगे।

निजी विद्यालय में निकला आधा दर्जन बेबी कोबरा, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

पाकुड़, एजेंसी। जिले के एक प्रसिद्ध निजी विद्यालय परिसर में बुधवार को आधा दर्जन बेबी कोबरा देखे जाने से हड़कंप मच गया। हालांकि सांपों के बच्चे उस समय देखे गए जब विद्यालय बंद हो चुका था।

सूचना मिलते ही वन कर्मी विद्यालय पहुंचे और सभी बेबी कोबरा का रेस्क्यू कर उन्हें घने जंगल में छोड़ दिया। वनकर्मी असराफुल शेख ने बताया कि बुधवार को एक प्रसिद्ध निजी विद्यालय से फोन आया जिसमें बताया गया कि वहां कई सांप के बच्चे रेंग रहे हैं, जिससे विद्यालय के कर्मी भयभीत हैं।

वनकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और देखा कि सभी कोबरा के बच्चे हैं। वनकर्मियों ने बताया कि सभी सांप के बच्चे विद्यालय के बिजली पैनल रूम के पास देखे गए। वनकर्मी ने बताया कि कोबरा उक्त स्थान पर अंडा देकर चला गया था और पांच दिन पूर्व अंडों से बच्चे निकले थे। उन्होंने यह भी संदेह जताया कि जिस स्थान से बेबी कोबरा का रेस्क्यू किया गया, वहां और भी बेबी कोबरा हो सकते हैं।

उक्त स्थान को ब्लॉक कर दिया गया है और विद्यालय कर्मियों को साफ-सफाई के लिए विशेष सलाह दी गई है। वनकर्मी ने बताया कि साफ-सफाई के बाद उक्त स्थान पर फिर से सांपों की खोजबीन की जाएगी। वनकर्मी ने बताया कि ये बेबी कोबरा काफी जहरीले हैं। आधा दर्जन बेबी कोबरा पाए जाने के बाद विद्यालय प्रबंधन में हड़कंप मच गया है।

वनकर्मी ने किसी को घबराने की बजाय सावधानी बरतने और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि साफ-सफाई बनाए रखने से ऐसे खतरे कम हो सकते हैं।

रिम्स में सहायक प्राध्यापक एवं क्लिनिकल ट्यूटर पदों के लिए चयन, वेबसाइट पर परिणाम जारी

चयन परिणाम से संबंधित विस्तृत अधिसूचना रिम्स प्रशासन द्वारा जारी कर दी गई है। इसे संस्थान के वेबसाइट पर उपलब्ध कराया है

रांची, एजेंसी। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (द्वारा सहायक प्राध्यापक एवं क्लिनिकल ट्यूटर पदों के लिए आयोजित साक्षात्कार के आधार पर अंतिम चयन परिणाम जारी कर दिया गया। इस चयन प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न विभागों में कुल 18 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। विभागवार चयनित अभ्यर्थियों में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में दो, मनोचिकित्सा विभाग में एक, सर्जरी विभाग में दो, शिशु शल्य चिकित्सा विभाग में एक, अस्थि रोग विभाग (ट्रॉमा) में एक, एनेस्थीसिया (ट्रॉमा) में दो, मेडिसीन विभाग में दो, नेफ्रोलॉजी विभाग में एक, त्वचा एवं यौन रोग विभाग में एक, पैथोलॉजी विभाग में दो, कॉलेज ऑफ नर्सिंग (क्लिनिकल ट्यूटर) में तीन पदों पर नियुक्ति हुई है।रिम्स प्रशासन ने चयनित सभी अभ्यर्थियों

को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि उनके जुड़ने से संस्थान में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाओं, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ता मिलेगी। चयन परिणाम से संबंधित विस्तृत अधिसूचना रिम्स प्रशासन द्वारा जारी कर दी गई है। इसे संस्थान के वेबसाइट पर उपलब्ध कराया है।

रिम्स में प्रशासनिक दायित्वों का पुनर्गठन, विभिन्न पदों पर प्रभार सौंपे गए

रिम्स में शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं छात्र कल्याण संबंधी कार्यों को और अधिक प्रभावी एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रशासनिक पदों पर अतिरिक्त प्रभार सौंपे गए हैं। प्रो। डॉ। राजीव मिश्रा, प्राध्यापक, शिशु रोग विभाग को आगामी आदेश तक संकायाध्यक्ष का प्रभार प्रदान किया गया है। साथ ही, प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रो। डॉ। पार्थ कुमार चौधरी, प्राध्यापक, शिशु रोग विभाग को आगामी आदेश तक विभागाध्यक्ष, शिशु रोग विभाग का प्रभार दिया गया है।

संस्थान में एमबीबीएस एवं पीजी सुपरस्पेशियलिटी सीटों में प्रस्तावित वृद्धि की प्रक्रिया को गति देने के उद्देश्य से डॉ. निशीथ एम. पॉल एक्का, अपर प्राध्यापक, सर्जरी विभाग को उप-संकायाध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसी क्रम में रिम्स प्रशासन द्वारा जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, नेत्र रोग विभाग के अपर प्राध्यापक डॉ. राहुल प्रसाद को उनके वर्तमान दायित्वों के अतिरिक्त डीन, छात्र कल्याण का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। छात्र कल्याण से संबंधित कार्यों एवं दायित्वों का विधिवत हस्तांतरण एनेस्थीसिया विभाग के विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक प्रो. डॉ. शिव प्रिये द्वारा किया जाएगा, जिसके उपरांत डॉ. राहुल प्रसाद अपने नए दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

रिम्स प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया है कि इन प्रशासनिक दायित्वों के पुनर्गठन से छात्र कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, शैक्षणिक गतिविधियों एवं संस्थान के समग्र प्रशासनिक कार्यों को नई गति मिलेगी। चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, सुपरस्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों के विस्तार तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में संस्थान की प्रतिबद्धता और अधिक सुदृढ़ होगी।

संक्षिप्त समाचार

मुजफ्फरपुर की बहू सोनी गुप्ता के सिर सजा 'मिसेज़ बिहार 2026' का ताज, शादी के 17 साल बाद हासिल की जीत

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर की बहू सोनी गुप्ता ने जिले का नाम रोशन किया है। राजधानी पटना के पनाश कौटिल्य होटल में आयोजित विवाश्री 'मिसेज बिहार 2026' प्रतियोगिता में सोनी गुप्ता ने प्रतिष्ठित 'मिसेज बिहार 2026' का खिताब अपने नाम किया। बिहार के विभिन्न जिलों से आई करीब 100 प्रतिभागियों के बीच हुए कड़े मुकाबले में सोनी ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और शानदार मंचीय प्रस्तुति के दम पर यह उपलब्धि हासिल की। विजेता बनने पर सोनी गुप्ता को पूर्व मिसेज़ वर्ल्ड सरगम कौशल ने क्राउन पहनाया। वहीं, आइसब्रेकर ओसियन विजन प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर प्रवीण सिन्हा ने उन्हें 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की। प्रतियोगिता में नेहा डेन फर्स्ट रनर-अप और ज्योति पाठक सेकेंड रनर-अप रहीं। मुजफ्फरपुर की रहने वाली सोनी गुप्ता तीन बच्चों की मां हैं। शादी के 17 साल बाद उन्होंने पहली बार किसी ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लिया और पहली ही कोशिश में यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर लिया। उनकी इस सफलता ने यह साबित किया कि सपनों को पूरा करने की कोई उम्र नहीं होती। सोनी गुप्ता मुजफ्फरपुर के शांति निकेतन स्कूल की डायरेक्टर हैं, जबकि उनके पति पेशे से डॉक्टर हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें प्रतियोगिता की जानकारी इंस्टाग्राम के माध्यम से मिली थी। शुरुआत में पति ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी, लेकिन बाद में उन्होंने पति को अपनी इच्छा और इस मंच के महत्व के बारे में समझाया। इसके बाद परिवार का पूरा सहयोग मिला और उन्होंने तैयारी शुरू की। सोनी ने बताया कि तीन बच्चों की देखभाल, पारिवारिक जिम्मेदारियों और स्कूल के संचालन के बीच उन्होंने 15 दिनों का ग्रूमिंग सेशन किया। इस दौरान व्यक्तित्व विकास, कॉन्फिडेंस और मंचीय प्रस्तुति पर विशेष प्रशिक्षण लिया। उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम रहा कि वह मिसेज़ बिहार 2026 का ताज जीतने में सफल रहीं। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में पूर्व मिसेज़ वर्ल्ड सरगम कौशल, शादाब शमी, ऐश्वर्या राज और प्रकाश सिंह शामिल थे। प्रतिभागियों का मूल्यांकन व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, मंच संचालन और संप्रेषण कौशल के आधार पर किया गया। सोनी गुप्ता ने कहा कि यह उनकी नई शुरुआत है। वह आगे भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना चाहती हैं। इसके साथ ही उनकी इच्छा फिल्मों और विज्ञापनों में भी काम करने की है। उनका सपना राष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना है।

नालंदा की गिद्धि झील में प्रवासी पक्षियों का बसेरा:50 से अधिक 'जलमोर' की मौजूदगी; एशिया-यूरोप सहित चीन से आते पक्षी

नालन्दा, एजेंसी। नालंदा की सबसे बड़ी आर्द्रभूमि 'गिद्धि झील' इन दिनों पक्षी प्रेमियों और शोधार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। हाल ही में हुए एक गहन पक्षी अवलोकन कार्यक्रम के दौरान यहां 50 से अधिक प्रवासी पक्षी 'फेजेंट टेल्ड जकाना' (जलमोर) देखे गए, जिससे पर्यावरणविदों में उत्साह है। पक्षी विशेषज्ञ राहुल कुमार के नेतृत्व में विभिन्न जिलों से आए शोधार्थियों और पक्षी प्रेमियों की टीम ने गिद्धि झील का दौरा किया। इस दौरान टीम ने पक्षियों की पहचान, उनके व्यवहार और प्राकृतिक आवास का बारीकी से अध्ययन किया। अभियान के दौरान टीम ने एक घायल जलमोर का सुरक्षित रेस्क्यू भी किया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद वापस सुरक्षित वातावरण में छोड़ दिया गया। पक्षी विशेषज्ञ राहुल कुमार ने बताया कि यह झील न केवल स्थानीय पक्षियों के लिए प्रजनन स्थल है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रवासी पक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण ठहराव (स्टॉप-ओवर) भी है। ठंड के मौसम में यहां एशिया, यूरोप और चीन से पक्षी आते हैं। वहीं, गर्मी के दिनों में अफ्रीका से 'चातक' (पाइड कुकु) यहां का रुख करते हैं। अवलोकन के दौरान कॉटन टील (सूती बतख), कॉमन मूरहेन (जलमुर्गी), ग्रे-हेडेड स्वैम्पहेन, पनकौवा, शिकरा, एशियन कोयल और इंडियन रोलर सहित अनेक दुर्लभ प्रजातियों की गणना की गई। कार्यक्रम के दौरान पक्षियों की पहचान के लिए विशेष सत्र आयोजित किए गए। 'बर्ड फ्लैशकार्ड' और 'बर्ड कॉल' (पक्षियों की आवाज) के माध्यम से प्रतिभागियों को फील्ड पहचान के गुर सिखाए गए। साथ ही, स्थानीय ग्रामीणों के साथ मिलकर झील के संरक्षण और आर्द्रभूमि के महत्व पर विस्तृत चर्चा की गई इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में पटना की बीपीआरओ मीनाक्षी प्रियदर्शिनी, बीईओ विपुल विक्रम, नेचर कंज़र्वेशन फाउंडेशन के राहुल कुमार व अविनाश कुमार, फोटोग्राफर राजू कुशवाहा, रजनी कुमारी और आयुष कुमार सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। सभी ने संकल्प लिया कि गिद्धि झील की जैव विविधता को बचाने के लिए ऐसे जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।

बांकीपुर में प्रशांत किशोर की एंट्री से बढ़ी टेंशन!

वोटिंग से पहले सम्राट ने बुलाई एनडीए की बड़ी रणनीतिक बैठक

पटना , एजेंसी। बिहार की सबसे चर्चित विधानसभा सीटों में शामिल बांकीपुर इस बार केवल एक उपचुनाव नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की राजनीतिक प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन के विधानसभा सीट छोड़ने से उपचुनाव की नौबत आई है।

10 जुलाई को रणनीतिक बैठक : 30 जुलाई को होने वाले मतदान से पहले चुनावी मुकाबला उस समय और दिलचस्प हो गया, जब जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने स्वयं चुनाव मैदान में उतरने का फैसला किया। बीजेपी इसे किसी सामान्य उपचुनाव की तरह नहीं देख रही है। यही वजह है कि 10 जुलाई को मुख्यमंत्री आवास पर एनडीए की बड़ी रणनीतिक बैठक बुलाई गई है। आधिकारिक तौर पर बैठक का एजेंडा सरकार के कामकाज की समीक्षा बताया जा रहा है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसे बांकीपुर उपचुनाव और भोजपुर के भरत तिवारी एनकाउंटर प्रकरण से जोड़कर देखा जा रहा है।

बांकीपुर में त्रिकोणीय मुकाबला : पिछले चार दशक से बांकीपुर सीट बीजेपी का मजबूत गढ़ रही है। पार्टी ने यहां लगातार जीत दर्ज की है और कई चुनावों में जीत का अंतर विपक्षी उम्मीदवारों को मिले कुल वोटों से भी अधिक रहा है। लेकिन इस बार समीकरण अलग हैं।

प्रशांत किशोर की दावेदारी से मुकाबला रोचक : जन सुराज के संयोजक प्रशांत किशोर पहली बार स्वयं चुनाव लड़ रहे हैं। 2025 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी कोई सीट नहीं जीत सकी थी, लेकिन इस बार उन्होंने सीधे बांकीपुर को अपनी राजनीतिक प्रयोगशाला बनाया है। दूसरी ओर बीजेपी ने युवा नेता अभिषेक कुमार को उम्मीदवार बनाया है, जबकि राजद ने भी अपनी दावेदारी पेश की है।

10 जुलाई की बैठक के पीछे दो बड़े राजनीतिक संदेश : राजनीतिक जानकारों का मानना है कि वास्तविक मुकाबला बीजेपी और प्रशांत किशोर के बीच सिमटता दिखाई दे रहा है। एनडीए की बैठक को लेकर आधिकारिक तौर पर सरकार के कामकाज और संगठनात्मक समन्वय की बात कही जा रही है।

बीजेपी दो कारणों को करेगी डिकोड : राजनीतिक विश्लेषक इसके पीछे दो प्रमुख कारण मान रहे हैं। पहला, बांकीपुर उपचुनाव के लिए साझा चुनावी रणनीति तैयार करना। दूसरा, भोजपुर के भरत तिवारी एनकाउंटर मामले को लेकर एनडीए के भीतर उभरे विरोधाभासी बयानों पर विराम लगाना। भरत तिवारी एनकाउंटर को लेकर सत्ता पक्ष के नेताओं की अलगअलग प्रतिक्रियाओं ने विपक्ष को सरकार पर हमला करने का अवसर दिया। ऐसे में चुनाव से पहले गठबंधन की एकजुटता का संदेश देना बीजेपी और एनडीए दोनों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बीजेपी के लिए क्यों प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है बांकीपुर : राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बीजेपी अपने सबसे मजबूत गढ़ों में से एक बांकीपुर सीट पर चुनौती का सामना करती है, तो इसका राजनीतिक संदेश बिहार से निकलकर राष्ट्रीय स्तर तक जाएगा। बांकीपुर केवल पटना की विधानसभा सीट नहीं है, बल्कि यह बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की राजनीतिक पहचान वाली सीट भी है। ऐसे में यहां हार या कमजोर प्रदर्शन पार्टी की छवि पर असर डाल सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगले वर्ष उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव भी होने हैं। ऐसे में बीजेपी किसी भी प्रकार का नकारात्मक राजनीतिक संदेश जाने देना नहीं चाहेगी।

प्रशांत किशोर की चुनौती क्यों अलग मानी जा रही है : प्रशांत किशोर पारंपरिक राजनीतिक नेता नहीं, बल्कि चुनावी रणनीतिकार के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं। अब वह स्वयं चुनावी मैदान में उतरकर अपनी राजनीतिक ताकत साबित करना चाहते हैं। उनकी सक्रियता ने बीजेपी को बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने और पूरे एनडीए को चुनावी मोड में लाने के लिए मजबूर कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि प्रशांत किशोर की मौजूदगी ने इस उपचुनाव को राज्य का सबसे हाईप्रोफाइल मुकाबला बना दिया है।

एनडीए एकजुटता दिखाने की तैयारी में : जदयू एमएलसी संजय गांधी का कहना है कि चुनाव के समय एनडीए की बैठक होना सामान्य प्रक्रिया है और गठबंधन पहले भी एकजुट था तथा आगे भी रहेगा। उधर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी के अनुसार बैठक में सभी घटक दलों के जिला अध्यक्षों से सरकार के कामकाज का फीडबैक लिया जाएगा और कई राजनीतिक विषयों पर चर्चा होगी।

बूथ स्तर तक सक्रिय हुआ बीजेपी संगठन : हालांकि राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि बैठक का सबसे बड़ा उद्देश्य गठबंधन में एकजुटता का सार्वजनिक संदेश देना है। बीजेपी ने बांकीपुर उपचुनाव को लेकर कई वरिष्ठ नेताओं को अलगअलग जिम्मेदारियां सौंप दी हैं। बूथ प्रबंधन, मतदाता संपर्क और प्रचार अभियान तेज कर दिया गया है।

प्रदेश में पीजी पाठ्यक्रम का नया फीस स्ट्रक्चर लागू, इन 5 विश्वविद्यालय में नहीं बदला शुल्क

पटना, एजेंसी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत बिहार के राज्यपाल सह कुलाधिपति सय्यद अता हसनैन ने एक वर्षीय और दो वर्षीय पीजी पाठ्यक्रमों के लिए यूनिफॉर्म ऑर्डिनेंस एवं रेगुलेशन 2026 को मंजूरी दे दी है। अब राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में इन पाठ्यक्रमों के लिए एक समान शुल्क संरचना लागू होगी। इस नए रेगुलेशन के लागू होते ही 2018 से चले आ रहे चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के पुराने नियम समाप्त हो गए हैं। किन विश्वविद्यालयों पर नहीं लागू होगा नया नियमः नए यूनिफॉर्म रेगुलेशन से बिहार कृषि विश्वविद्यालय, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी , आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय और कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय को बाहर रखा गया है। इन विश्वविद्यालयों में पुरानी व्यवस्था या अपने अलग नियम लागू रहेंगे। शेष सभी विश्वविद्यालयों में यह नया एक समान ऑर्डिनेंस लागू होगा।

4 वर्षीय यूजी के बाद 1 वर्षीय पीजी: नए रेगुलेशन के अनुसार, चार वर्षीय स्नातक पूरा करने वाले छात्र अब एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम में नामांकन ले सकेंगे। वहीं तीन वर्षीय स्नातक करने वाले छात्रों को दो वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश मिलेगा। इससे शिक्षा की अवधि और डिग्री संरचना एनईपी 2020 के अनुरूप हो गई है।

1 वर्षीय पीजी की फीस तय: एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम के लिए छात्रों को कुल 8100 रुपये फीस जमा करनी होगी। इसमें पहले सेमेस्टर की फीस 4600 रुपये और दूसरे सेमेस्टर की 3500 रुपये रहेगी। इसके अलावा प्रैक्टिकल फीस के रूप में प्रति सेमेस्टर 1000 रुपये, परीक्षा शुल्क 500 रुपये प्रति सेमेस्टर और ट्यूशन फीस 600 रुपये भी लगेगी।

2 वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम की फीस: दो वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम की कुल फीस 15100 रुपये तय की गई है। इसमें चार सेमेस्टर होंगे। पहले सेमेस्टर के लिए 4600 रुपये तथा दूसरे, तीसरे और चौथे सेमेस्टर के लिए 3500 रुपये प्रति सेमेस्टर फीस होगी। फील्ड वर्क या रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए अतिरिक्त 2000 रुपये एक मुश्त जमा करने होंगे।

बिहार पुलिस का बड़ा एक्शन! फरार 29 अपराधियों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम

पटना, एजेंसी। बिहार में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए राज्य सरकार का गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। इसी क्रम में हत्या, रंगदारी, गोलीबारी और अन्य संगीन आपराधिक मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे 29 अपराधियों पर 25-25 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की गई है। इन अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए सभी जिलों की पुलिस को विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है।

लिस्ट में शामिल है इन दो अपराधियों का नाम: हाल के दिनों में बाहुबली विधायक के काफिले पर हुए हमले के मामले में चर्चा में आए सोनू कुमार और उसके साथी सौरभ कुमार का नाम भी इस सूची में शामिल है। दोनों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस का मानना है कि इनाम घोषित होने के बाद इन अपराधियों के बारे में सूचना मिलने की संभावना बढ़ेगी और उनकी जल्द गिरफ्तारी हो सकेगी।

इनाम की घोषणा के बाद गिरफ्तार हुए दो अपराधी: सूत्रों के अनुसार, कुछ दिन पहले पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने इन फरार अपराधियों पर इनाम घोषित करने की अनुशंसा पटना जोनल आईजी जितेंद्र राणा को भेजी थी। इसके बाद पुलिस मुख्यालय की स्वीकृति मिलने पर 29 अपराधियों पर 25-25 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की गई। इनाम घोषित होने के तुरंत बाद पुलिस को सफलता भी मिली। कदमकुआं थाना पुलिस ने फरार रवि कुमार उर्फ रवि यादव को गिरफ्तार कर लिया, जबकि रामकृष्ण नगर थाना पुलिस ने धीरज कुमार को दबोच लिया।

अपराधियों की लिस्ट: इनाम घोषित किए गए अपराधियों में कृष्ण सहनी उर्फ भगेलू भोजपुरी, साधु यादव उर्फ शंकर (पीरबहोर), चंदन कुमार उर्फ बंटी (औरंगाबाद), मोहम्मद हुसैन (सब्जीबाग), मोहम्मद तौफीक (पीरबहोर), राहुल कुमार उर्फ राहुल यादव (गर्दनीबाग), शिवा डोम (आलमगंज), अमर प्रसाद सोनी (मसौढ़ी), प्रियदर्शी यादव उर्फ दर्शन यादव (गर्दनीबाग), सुदामा सिंह (कोतवाली), मुर्शीद अहमद (सिवान), धीरज कुमार (बोधगया), विशाल पासवान (वैशाली), सौरभ कुमार (पंचमहला, बाढ़), सोनू कुमार, सोनू सिंह (पंचमहला, बाढ़) शामिल है।

लिस्ट में शामिल है पश्चिम बंगाल का अपराधी: पुष्कर आनंद झा (भूतनाथ रोड, कदमकुआं), रवि कुमार उर्फ रवि यादव (फुलवारीशरीफ एवं कदमकुआं), अमित कुमार (फुलवारीशरीफ), बिट्टू कुमार उर्फ रोशन (गांधी मैदान), राजू उर्फ समीर सिंह उर्फ अजय सिंह (न्यू जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल), सोनू कुमार (मेहंदीगंज एवं पाटलिपुत्र), समीर कुमार उर्फ करण (पाटलिपुत्र), शामिल हैं।

ग्रामीणों ने सुनाई विस्थापन की तकलीफ

शिवहर, एजेंसी। बिहार हर साल बाढ़ की त्रासदी झेलता है। प्रदेश का एक बड़ा हिस्सा बरसात के मौसम में जलमग्न हो जाता है। बिहार का शिवहर जिला भी इस दंश से अछूता नहीं है।

परिवारों ने साझा की पीड़ा: टीम की रिपोर्टिंग के दौरान जिले के पिपराही प्रखंड अंतर्गत आने वाले नरकटिया गांव के कई परिवारों ने अपनी पीड़ा साझा की। ग्रामीणों ने बताया कि किस तरह बागमती नदी की भीषण बाढ़ और निरंतर होने वाले कटान के कारण बीते वर्षों में ये गांव कितनी बार उजड़ा और किस तरह लोगों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ा।

स्थानीय प्रशासन का पक्ष: हमारी इस खबर पर अब स्थानीय प्रशासन ने अपना पक्ष रखा है। प्रशासन का कहना है कि बागमती दायां तटबंध के किमी 16।80 से किमी 18।50 के बीच शिवहर जिला अन्तर्गत पिपराही प्रखंड में नरकटिया, देवापुर गांव के पास वर्ष 2024 से पूर्व तटबंध रहित भाग से बागमती नदी के जलस्तर/जलश्राव में वृद्धि होने पर जल प्रवाहित होता था।

तटबंध सुरक्षित होने का दावा: प्रशासन की ओर से आगे कहा गया है कि प्रसारित समाचार में 2017 एवं उससे पूर्व की समस्याओं का चित्रण किया गया है। उक्त भाग में कभी भी तटबंध क्षतिग्रस्त नहीं हुआ है। बागमती बाढ़ प्रबंधन योजना फेज के तहत वर्णित भाग में तटबंध का निर्माण कर लिया गया है। जिसके फलस्वरुप 2024 से ही उक्त भाग पूर्णतः सुरक्षित है।

रामसखी देवी की तकलीफ: दरअसल ग्राउंड रिपोर्टिंग के दौरान नरकटिया वार्ड नंबर 2 की रहने वाली राम सखी देवी, जिनके पति का नाम रामबाबू सहनी है, वह मचान पर सिर पर पल्लू रखकर और गोद में मासूम बच्चे को लिए हुए बेहद लाचारी और तंगहाली की स्थिति में बैठी नजर आई। उन्होंने अपनी तकलीफ साझा करते हुए बताया कि उनकी 6 बेटियां और 2 बेटे हैं। पति पेशे से एक मछुआरे हैं जो कुछ भी कमा पाते हैं, उसी से पूरे बड़े परिवार का किसी तरह गुजर-बसर हो पाता है।

कुंदन सहनी की लाचारी: नरकटिया वार्ड नंबर 6 के निवासी कुंदन सहनी भी अपनी अस्थायी छत के आगे बेहद लाचार और मायूस नजर आए। उन्होंने अपने घर को अपनी आंखों के सामने कई बार नदी के तेज बहाव में बहते और उजड़ते देखा है। पिछले 14 वर्षों से भी अधिक समय से यहां रह रहे कुंदन ने बताया कि जब भी तेज बारिश का मौसम आता है, तो पूरा गांव खौफ से दहल जाता है।

2017 की भयावहता: कुंदन को 2017 में आई अपने जीवन की सबसे भयावह बाढ़ की याद आती है। जब नदी के पानी से उनका पूरा गांव ही उजड़ गया था। उनका कहना है कि बाढ़ में घर डूब जाने के बाद गुजर-बसर के लिए कुछ नहीं मिलता, यहां तक कि कोई शौचालय तक की सुविधा पीड़ितों को नहीं मिलती।

विस्थापन की पीड़ा: ग्रामीणों के लिए विषम परिस्थितियों में अस्थायी झोपड़ियों में बिना पर्याप्त भोजन और स्वच्छ पानी के गुजरे महीने किसी सजा की तरह होते हैं। साथ ही मवेशियों के चारे का भी संकट हो जाता है।

बिहार मानवाधिकार आयोग सख्त:भरत तिवारी एनकाउंटर के मामले में आयोग ने पिता को मुआवजा देने को कहा

पटना, एजेंसी। भोजपुर जिले के बेलौटी में भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में बिहार मानवाधिकार आयोग ने कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने सरकार से कहा है कि पुलिस की गलती कितनी थी, यह तो कोर्ट और जांच में तय होता रहेगा, लेकिन तब तक पीड़ित माता-पिता को तुरंत अंतरिम मुआवजा दें।

आयोग ने कहा-एक जवान लड़के की जान जाना बेहद दुखद है। मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह साफ हो चुका है कि उसे गोली लगी थी। गोली लगने के बाद बहुत ज्यादा खून बहने और सदमे के कारण उसकी मौत हुई।

यही वजह है कि इस मामले में सीधे तौर पर पुलिस और सरकारी तंत्र पर उंगली उठ रही है। इससे पहले आयोग ने बिहार के मुख्य सचिव, डीजीपी और भोजपुर के एसपी को आदेश दिया था कि वे 4 हफ्ते के भीतर मामले की पूरी रिपोर्ट सौंपें। लेकिन, तय समय में पुलिस-प्रशासन रिपोर्ट नहीं दे पाया। जबकि एडीजी लॉ एंड ऑर्डर ने आयोग के सामने आकर दो हफ्ते का और समय मांग लिया। दलील दी गई कि जांच की जा रही है।

परिसीमन का नया गणित: बिहार की 10 लोकसभा सीटें 30 भागों में बांटी जाएंगी, बढ़ेंगे 20 सांसद

पटना, एजेंसी। बिहार की राजनीतिक और संसदीय संरचना में अब तक के सबसे बड़े बदलाव की संभावना बन रही है। देश में परिसीमन को लेकर जारी सियासी खींचतान के बीच प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने एक नया वर्किंग पेपर ड्राफ्ट तैयार किया है, जिसके तहत बिहार की 10 प्रमुख लोकसभा सीटों को तीन-तीन टुकड़ों में विभाजित किया जाएगा।

इस नए फॉर्मूले के लागू होने से बिहार में लोकसभा सीटों की कुल संख्या मौजूदा 40 से बढ़कर 60 हो जाएगी, यानी सूबे में सीधे 20 सांसदों की सीटें बढ़ेंगी। संसद के आगामी मानसून सत्र में इस नए मसौदे को एक संशोधित विधेयक के रूप में सदन के पटल पर रखे जाने की संभावना है। इस गणितीय मॉडल को इस तरह डिजाइन किया गया है ताकि उत्तर और दक्षिण भारत के बीच प्रतिनिधित्व को लेकर जारी विवाद को सर्वसम्मति से सुलझाया जा सके। इसके तहत देशभर में कुल 281 नई सीटें बढ़ेंगी, जिससे देश में कुल लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़कर 824 हो जाएगी।

आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य शमिका रवि द्वारा तैयार इस ड्राफ्ट में परिसीमन के विवादों को कम करने के लिए 7 कड़े पैमाने तय किए गए हैं। इसमें केवल आबादी को ही नहीं, बल्कि संसदीय क्षेत्र के भौगोलिक आकार, शहरी आबादी का घनत्व, अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या, भाषाई विविधता और मतदान केंद्रों की संख्या को आधार बनाया गया है।

इस मॉडल को अचूक बनाने के लिए वर्ष 2009 से 2024 तक के लोकसभा चुनावों के मतदान प्रतिशत, सामाजिक समीकरणों और क्षेत्रीय भाषाई समूहों के रुझानों का बारीकी से अध्ययन किया गया है, ताकि परिसीमन के बाद किसी भी वर्ग में राजनीतिक हिस्सेदारी घटने का असंतोष न रहे। बिहार के साथ-साथ पड़ोसी राज्य झारखंड के संसदीय ढांचे में भी विस्तार की अनुशंसा की गई है। ड्राफ्ट के मुताबिक, झारखंड की राजमहल लोकसभा सीट को दो भागों में विभाजित किया जाएगा, जबकि गिरिडीह, लोहरदगा और गोड्डा लोकसभा सीटों को तीन-तीन टुकड़ों में बांटा जाएगा। इस विभाजन से झारखंड में 7 नई लोकसभा सीटें जुड़ेंगी, जिससे वहां कुल सीटों की संख्या 14 से बढ़कर 21 हो जाएगी।

संसद में परिसीमन विधेयक पर आम सहमति नहीं बन पाने के बाद इस तकनीकी और गणितीय हल को निकालने वाली परिषद की सदस्य शमिका रवि का सीधा जुड़ाव बिहार से है। वे पटना जिले के बिहटा प्रखंड के डिहरी गांव की मूल निवासी हैं। उनके पिता आरएन रवि वर्तमान में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल हैं।

पीएम की आर्थिक सलाहकार परिषद ने नया वर्किंग पेपर तैयार किया

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के वर्किंग पेपर ड्राफ्ट में बिहार के जिन 10 लोकसभा क्षेत्रों को चिह्नित किया है, उनमें पटना साहिब, पाटलिपुत्र, मुंगेर, आरा, बेगूसराय, सारण, दरभंगा, मधुबनी, झंझारपुर और महाराजगंज शामिल हैं। इन सभी 10 सीटों में से प्रत्येक को तीन अलग-अलग लोकसभा सीटों में बांटा जाएगा। इन क्षेत्रों से 10 की बजाय कुल 30 सांसद चुनकर संसद पहुंचेंगे। ड्राफ्ट की रणनीति के अनुसार, देश के 373 लोकसभा क्षेत्रों की भौगोलिक सीमा में कोई बदलाव नहीं होगा, जबकि 59 सीटों को दो हिस्सों और बिहार की इन 10 सीटों समेत देश की 111 सीटों को तीन हिस्सों में बांटने का मॉडस ऑपरेंडी तैयार किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

गंदगी के आंगन में क, ख, ग सीख रहे बच्चे

अलीगढ़ , एजेंसी। गांव ऊमरी में प्राथमिक विद्यालय परिसर शिक्षा का मंदिर कम तबेला ज्यादा नजर आ रहा है। गंदगीभरे माहौल में विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पूरी कर रहे हैं। चाहरदीवारी न होने का फायदा उठाकर आसपास के लोगों ने स्कूल परिसर में मवेशी बांधने, ट्रॉलियां खड़ी करने और कूड़ा डाल रहे हैं। गंदगी व दुर्गंधपूर्ण माहौल में बच्चों को पढ़ना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल परिसर को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाना जरूरी है, ताकि बच्चों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके। वहीं प्रधान प्रतिनिधि सरवन सिंह बघेल का कहना है कि उन्हें अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलते ही पुलिस की मदद से अतिक्रमण हटवाकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

गोरखपुर , एजेंसी। लगभग 31 वर्ष बाद दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ, शाखा गोरखपुर की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह बुधवार को दीवानी न्यायालय परिसर के सभागार में आयोजित हुआ। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर कर्मचारियों के हितों की रक्षा और न्यायिक कार्यों में सहयोग का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि प्रभारी जनपद न्यायाधीश एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम उमेश चन्द्र पाण्डेय ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कर्मचारी संघ से न्यायालय की कार्यसंस्कृति को और मजबूत बनाने की अपेक्षा जताई।अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, मंत्री सचिव विकास सिंह समेत नई कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान, उनके अधिकारों की रक्षा और न्यायिक कार्यों में पारदर्शिता लाना उनकी प्राथमिकता होगी। मंत्री सचिव विकास सिंह ने कहा कि कर्मचारी संघ, प्रशासन और कर्मचारियों के बीच मजबूत समन्वय स्थापित करने का कार्य करेगा। पदाधिकारियों ने चुनाव अधिकारियों खलील अहमद, योगेंद्र मौर्य और पंकज कुमार सिंह का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रांतीय संयुक्त सचिव महेश्वर किशोर सिंह, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी चन्द्र भूषण सिंह, केंद्रीय नाजिर विधान चन्द्र दीक्षित सहित बड़ी संख्या में न्यायालय कर्मचारी मौजूद रहे

एम्स के छात्र ने मानसिक तनाव में खाईं नींद की गोलियां, बिगड़ी तबीयत

गोरखपुर , एजेंसी। नींद की गोली खाने से सर्जरी विभाग के प्रथम वर्ष के छात्र की तबीयत बिगड़ गई। एम्स के सर्जरी विभाग में छात्र की तबीयत अचानक बिगड़ने पर इमरजेंसी में उसे भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि युवक पिछले दिनों से मानसिक रूप से तनाव में था। छात्र बंगलूरू का रहने वाला है। इस बार वह मानसिक रूप ज्यादा से परेशान था। इसकी वजह से उसकी मां भी साथ आईं हैं। पढ़ाई और मानसिक रूप से परेशान छात्र मंगलवार रात को ड्यूटी के समय ही दवा खाकर ड्यूटी कक्ष में ही सो गया। इससे बुधवार को उसकी तबीयत बिगड़ गई। फिलहाल साथियों ने समय से उसे इमरजेंसी में भर्ती करवा कर उपचार शुरू करवा दिया, जिससे उसकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है।छात्रों को पढ़ाई के समय इंटर्नशिप भी कराया जाता है। इसी बीच मंगलवार रात में छात्र की ड्यूटी लगी थी। सुबह ड्यूटी रूम में दूसरे सहयोगी आए तो देखे कि छात्र बेसुध कमरे में लेटा था। हिलाने-डुलाने पर सांस चल रही थी लेकिन उसे सुध नहीं थी। इसी बीच देर न करते हुए सहयोगियों और वरिष्ठ चिकित्सकों ने आनन-फानन में इमरजेंसी में भर्ती करवाया और उपचार शुरू किया। थोड़ी देर बाद छात्र को होश आ गया और हालत स्थिर हो गई। बंगलूरू का रहने वाला छात्र कुछ दिन पहले ही एम्स की छुट्टी बिताकर अपने घर से लौटकर आया था। जब वह गोरखपुर आया था तो उसकी मां भी आईं।

सिपाही पर नशे में अभद्रता का आरोप, वीडियो वायरल

मेरठ, एजेंसी। देहली गेट थाना क्षेत्र में एक सिपाही पर फल विक्रेता से नशे की हालात में अभद्रता करने का आरोप लगाया है। बुधवार को इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस मामले की जांच में लग गई है। एसएसपी अविनाश पांडेय ने सीओ सिविल लाइन अजय कुमार यादव को मामले की जांच सौंपी है।जानकारी के अनुसार, जली कोठी के पास एक फल विक्रेता मंगलवार को अपना ठेला लेकर जा रहा था। मौके से सिविल लाइन थाने में तैनात सिपाही भी जा रहे थे। किसी बात को लेकर सिपाही की ठेला विक्रेता से कहासुनी हो गई। आरोप है कि सिपाही नशे में था। पीड़ित ने जब सिपाही की हरकतों का विरोध किया। सिपाही ने फल विक्रेता को गाली देनी शुरू कर दी।एक युवक घटना का वीडियो बनाने लगा। आरोप है कि सिपाही ने उसके मोबाइल पर हाथ मारा।

धमाके के साथ नाले में समा गई पूरी दुकान

15 मिनट तक गूंजती रहीं चीखें...भयानक हादसा देख कांप गए लोग

आगरा , एजेंसी। आगरा के सुभाष बाजार में बारिश के दौरान दो मंजिला कपड़े की दुकान अचानक नाले में समा गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। 15 मिनट तक चीख-पुकार के बीच लोगों ने कई घायलों को बचाया, जबकि एक वृद्ध महिला की तलाश देर रात तक जारी रही।

बारिश के दौरान बुधवार दोपहर जामा मस्जिद के पास सुभाष बाजार में हादसा हो गया। क्षतिग्रस्त लिंटर ढहने से दो मंजिला कपड़े की दुकान भरभराकर नाले में समा गई। मलबे में व्यापारी, उनका पौत्र, एक कर्मचारी के अलावा खरीदारी करने आईं लखनऊ में तैनात सिपाही अनीता, उनकी मां गंगा देवी (60) और डेढ़ साल की बेटी अनन्या दब गई। व्यापारियों और राहगीरों ने मलबा हटाकर महिला सिपाही सहित पांच घायलों को बाहर निकाल लिया लेकिन गंगादेवी का पता नहीं चल सका। सूचना पर पुलिस के साथ नगर निगम, दमकल की टीम पहुंच गई। तीन घंटे बाद मथुरा से एसडीआरएफ और पीएसी के गोताखोर भी बुला लिए गए मगर रात तक वृद्धा का पता नहीं चल सका।

दुकानों में कर्मचारी ग्राहकों को सामान दिखा रहे थे। सड़क पर लोगों की आवाजाही थी। कुछ लोग दुकानों के छज्जों की ओट में

खड़े बारिश थमने का इंतजार कर रहे थे। यकायक तेज धमाके की आवाज हुई और सबका ध्यान राधास्वामी क्लॉथ स्टोर की ओर गया। दुकान जमींदोज हो चुकी थी। अंदर से लोगों के चीखने की आवाजें आ रही थीं। किसी को अंदाजा भी नहीं था कि जमींदोज दुकान के साथ नाले में आखिर कितने लोग गिरे हैं। सुभाष बाजार में हुए हादसे के प्रत्यक्षदर्शियों ने अपनी आंखों बयां की।

राधा स्वामी क्लॉथ स्टोर के सामने की स्थित दुकान में काम करने वाली खुशी ने बताया कि वह दुकान पर थीं। बारिश के कारण ग्राहक नहीं थे, सभी बैठे हुए थे। उनके सामने पहले अनीता अपनी डेढ़ वर्षीय बेटी के साथ दुकान के अंदर आईं। पीछे से उनकी मां भी आ गईं। वह कपड़े देख ही रहे थे कि तेज धमाके के साथ दुकान भरभरा कर ढह गई। जब तक कोई कुछ समझता दुकान के लोग भी नाले में जा चुके थे। दुकान में दो शटर थे।

करीब 30 सेकंड तक कोई कुछ समझ नहीं पाया। इसके बाद नाले में गिरे लोगों की चीखें सुनकर लोग दुकान की ओर भागे। लोगों को डर लग रहा था कि कहीं आसपास की सड़क भी नहीं धंस जाए। कुछ लोगों ने हिम्मत दिखाई और घायलों को बाहर निकाला। पास ही छोले-भटूरे की दुकान पर काम करने वाले भरत ने बताया कि हादसे के बाद सबसे पहले उन्होंने गैस बंद कर कढ़ाही हटाई। इसके बाद भागकर पहुंचे तो तुलाराम कराहते दिखे। लोगों की मदद से उन्हें बाहर निकाला। इसके बाद महिला और उसकी बच्ची को निकाला गया।

दहशत में आ गया रिक्शा चालक : नावेद ने बताया कि वह अपना ई-रिक्शा लेकर निकल रहा था। अचानक दुकान ढह गई। यह देखकर वो घबरा गया। ई-रिक्शा को तेजी से बाजार से बाहर ले गया। हादसे के बाद लोग समझ नहीं पा रहे थे कि आखिर हुआ क्या है। 15 मिनट तक चीख-पुकार मची रही। रास्ता बंद करके बचाव अभियान किया शुरूबाजार में काम करने वाले सोनू ने बताया कि वह अपने मालिक से तनख्वाह लेने के लिए आए थे। दुकान के बाहर खड़े थे कि तभी हादसा हो गया। सभी लोग राहत कार्य में जुट गए। उस समय डर यह था कि कहीं दबाव पड़ने पर आसपास की सड़क भी नहीं धंस जाए। इसलिए तत्काल दुकान के टूटे बोर्ड और बाइकें खड़ी कर रास्ता अवरुद्ध किया गया। हादसे के बाद अधिकतर दुकानदारों ने शटर बंद कर दिए। पुलिस टीम जब पहुंची तो उन्हें भी यही डर सताया। अधिकारियों ने लोगों को चेतावनी देकर वहां से दूर हटाया।

छतों पर लगी भीड़ : हादसे के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ। मार्केट की छतों पर कर्मचारी और अन्य लोग काफी संख्या में एकत्रित होने लगे। बाजार की अधिकतर इमारतें पुरानी बनी हुई हैं। ऐसे में पुलिस को डर था कि कहीं और किसी जगह भी हादसा नहीं हो जाए। इसलिए दुकानदारों को समझाकर सभी को छतों से नीचे उतारा गया।

मददगारों से ज्यादा वीडियो बनाने वाले : रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे दुकानदार, कर्मचारियों और पुलिस व अन्य विभागों के लोगों को मोबाइल से वीडियो बनाने वालों ने काफी परेशान किया। जेसीबी, एंबुलेंस आने और मलबा हटाने के दौरान लोग बार-बार बीच में आकर वीडियो बना रहे थे। मददगारों से ज्यादा वीडियो बनाने वाले घटनास्थल पर पहुंच गए। इसके बाद पुलिस ने सभी को वहां से हटाया।

बेटा तू ठीक है... फिर भी अस्पताल चला जा : हादसे के बाद दिलीप के बेटे कृष्णा को लोगों ने बाहर निकाला। कृष्णा ने बताया कि वह पीठ के बल गिरे थे। उन्हें चोट नहीं लगी है। हादसे के दौरान धमक लगने के कारण सिर चकरा रहा है। इस पर पिता दिलीप ने पहले उन्हें चेक किया। कृष्णा दुकान का सामान बाहर निकालना चाहते थे। दुकानदारों ने समझाया कि बेटा तू अस्पताल जाकर पहले तसल्ली से जांच करा ले। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। सुभाष बाजार में मंटोला नाले के ऊपर नगर निगम की आठ दुकानें बनी थीं। केदार नगर निवासी तुलाराम की राधा स्वामी क्लॉथ स्टोर के नाम से साड़ियों और कपड़ों की दुकान थी।

नशे में दौड़ाई बच्चों से भरी स्कूल वैन, चपेट में आया युवक गंभीर

लखनऊ , एजेंसी। क्षेत्र में बुधवार सुबह नशे में धुत निजी स्कूल के चालक ने बच्चों से भरी वैन दौड़ा दी। वैन की चपेट में सड़क किनारे खड़ा युवक आ गया। वह उसमें फंसकर करीब 20 मीटर घिसटता चला गया। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर घायल युवक व चोटिल तीन बच्चों को अस्पताल पहुंचाया।

कस्बा चौकी इंचार्ज अतुल सिंह के मुताबिक निगोहां के दयालपुर निवासी अर्जुन निजी स्कूल में वैन चालक है। बुधवार सुबह वह शराब के नशे में धुत होकर चार वर्षीय दिव्यांशु, पांच वर्षीय विराज और मानसी को स्कूल ले जा रहा था।

सुबह करीब 11 बजे नशा अधिक होने के कारण चालक का वैन से नियंत्रण खो गया। बेकाबू वैन सड़क किनारे आम खरीद रहे कूड़ा निवासी राम मिलन से टकरा गई। राम मिलन वैन में फंसकर 20 मीटर तक घिसटते चले गए। वैन में सवार बच्चे घबराकर चीखने लगे। लोगों ने चालक को रोकने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं रुका। कुछ दूर जाकर वैन शिलापट से टकरा गई। लोगों ने चालक को पकड़कर पीटा।

पुलिस ने कब्जे में ली वैन, आरोपी

हिरासत में : सूचना पर पहुंची पुलिस ने राम मिलन और तीनों बच्चों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने चालक को हिरासत में और वैन को कब्जे में ले लिया। राम मिलन की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। इंस्पेक्टर राम बाबू सिंह ने बताया कि बच्चों को हल्की चोटें आई हैं, लेकिन वे डर गए थे। आरोपी से पूछताछ की जा रही है और तहरीर मिलने पर एफआईआर दर्ज की जाएगी।

मानकों के विपरीत मिली वैन : पुलिस के मुताबिक वैन मानकों के विपरीत मिली। स्कूल वैन का रंग पीला की जगह सफेद था। वैन के दो चालान हो चुके हैं। पहला चालान चालक के सीट बेल्ट नहीं लगाने पर 16 जनवरी 2022 को, फिर अगला चालान कुछ दिनों बाद ही यातायात नियमों को तोड़ने पर हुआ था।

कागजों में खरीदी दवाइयां, 25 लाख का भुगतान...जांच में खुला बड़ा खेल, फिर भी जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं

आगरा , एजेंसी। कागजों में पशु चिकित्सालय के लिए दवाइयों से लेकर उपकरण तक की खरीद हो गई। 25 लाख रुपये का भुगतान हो गया। शिकायत पर जांच में आरोप सिद्ध हुए फिर भी जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं हो सकी। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में हुए इस फर्जीवाड़े की जांच में खुलासा हुआ है।

जांच में सामने आय कि नए सीवीओ डीके पांडेय के कार्यभार ग्रहण करने के बाद, पूर्व अधिकारी के डिजिटल हस्ताक्षर का प्रयोग कर पूर्व कार्यवाहक सीवीओ डॉ. जयंत यादव ने लगभग 25 लाख रुपये का भुगतान करा दिया। जांच में पूर्व सीवीओ जयंत यादव और तत्कालीन लेखाकार को प्रथम दृष्टया जिम्मेदार माना गया है। सीवीओ डीके पांडेय के अनभिज्ञता के तर्क को समिति ने खारिज कर दिया गया है। इन खुलासों के बावजूद अब तक इस मामले में जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

शिकायतकर्ता सतीश चंद्र शर्मा और अतुल सिरोही की शिकायतों के आधार पर मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश पर जांच

समिति गठित की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, 17 सितंबर, 2024 को डॉ. डीके पांडेय ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया था। इसके बावजूद 18 सितंबर, 2024 को पूर्व सीवीओ डॉ. जयंत यादव की आईडी का उपयोग करके 24,44,923 रुपये के फर्जी बिल पास कर दिए गए। सामान की बिना खरीद किए भुगतान हो गया। डॉ. पांडेय ने इस भुगतान की जानकारी होने से इनकार किया, जिसे जांच समिति ने तथ्यों के आधार पर अस्वीकार्य बताया है।

प्रथम दृष्टया इस अनियमितता के लिए तत्कालीन लेखाकार दिवंगत ज्ञानेंद्र भारद्वाज और पूर्व सीवीओ डॉ. जयंत यादव को उत्तरदायी माना गया है। इसके अतिरिक्त, जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि अपर सांख्यिकी अधिकारी अरुण कुमार पिछले 20 वर्षों से आगरा में ही तैनात हैं। तमाम गड़बड़ियां उजागर होने और जांच रिपोर्ट में जिम्मेदारों के नाम सामने आने के बावजूद विभागीय स्तर पर कार्रवाई नहीं की गई।

शासन स्तर से होगी कार्रवाई

मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह ने बताया कि जांच में अनियमितताएं सामने आई हैं। भुगतान में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ। कार्रवाई के लिए रिपोर्ट शासन को भेजी है। शासन स्तर से कार्रवाई होगी।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) परिसर में थाना बनाने पर छिड़ी रार, जुबानी जंग

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) परिसर में थाना स्थापित करने की मांग को लेकर रार छिड़ गई है। इसके साथ जुबानी जंग भी जारी हो गई है। एक ओर जहां एएमयू प्रॉक्टर ने इसे यूनिवर्सिटी की छवि खराब करने की कोशिश बताया है। वहीं, दूसरी ओर कोल विधायक ने कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए परिसर में थाना स्थापित करने की मांग को उचित ठहराया है।

यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर प्रो. मोहम्मद नवेद खान ने कहा कि जब भी चुनाव का माहौल आता है, इस तरह के मुद्दे उठाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी में थाना बनाने के लिए न तो शासन या प्रशासन ने एएमयू से कोई प्रस्ताव मांगा है और न ही इस संबंध में यूनिवर्सिटी को कोई आधिकारिक जानकारी दी गई है।

उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी में 99.99 फीसदी छात्र शांतिपूर्वक पढ़ाई कर रहे हैं। अगर कुछ गिने-चुने छात्र नियमों का उल्लंघन करते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाती है। पूरे यूनिवर्सिटी की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाना उचित नहीं है।

एएमयू को कानून-व्यवस्था के लिहाज से असुरक्षित बताकर उसकी छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि यह एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का शिक्षण संस्थान है। जेएन मेडिकल कॉलेज के पास पहले से पुलिस चौकी और पुलिस बूथ मौजूद है और थोड़ी ही दूरी पर सिविल लाइंस थाना भी स्थित है। ऐसे में परिसर के भीतर नया थाना स्थापित करने की मांग समझ से परे है।

कोल विधायक अनिल पाराशर ने कहा कि उन्होंने एएमयू और आसपास के क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से अपर मुख्य सचिव (गृह) को पत्र लिखकर विश्वविद्यालय परिसर में थाना स्थापित करने की मांग की है। जब आबादी बढ़ती है तो पुलिस थानों की संख्या भी बढ़ाई जाती है।

पिछले वर्ष महुआखेड़ा और रोरावर जैसे नए थाने बनाए गए हैं। शासन की मंशा कानून-व्यवस्था को और मजबूत करना है। ऐसे में एएमयू में थाना स्थापित करने के प्रस्ताव का सकारात्मक रूप से स्वागत होना चाहिए। उन्होंने प्रॉक्टर के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी में हताशा झलकती है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि थाना बनने से सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होती है तो इसका विरोध क्यों किया जा रहा है।

नाले की सफाई न होने पर फूटा गुस्सा, निगम के विरोध में घरों पर लगाए काले झंडे

अलीगढ़ , एजेंसी। शहर के नगला पटवारी क्षेत्र में नाले की सफाई और भूमिगत निर्माण की मांग पूरी न होने से नाराज लोगों का गुस्सा बुधवार को फूट पड़ा। संयुक्त श्रमिक किसान मोर्चा के आह्वान पर लोगों ने अपने घरों पर काले झंडे लगाकर नगर निगम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और जमकर नारेबाजी की। उन्होंने भूमिगत नाला बनवाने की मांग की है।

मोर्चा के संस्थापक जितेंद्र शर्मा ने आरोप लगाया कि नगला पटवारी से गुजरने वाले नाले की लंबे समय से नियमित सफाई नहीं कराई गई है। इसके चलते सड़क पर जलभराव रहता है। इससे लोगों का पैदल निकलना तक मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों का नाले में गिरने का खतरा बना रहता है, जबकि कब्रिस्तान, श्मशान घाट, मंदिर और मस्जिद जाने वाले लोगों को भी गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है।

उन्होंने बताया कि छह मई को नाले के भूमिगत निर्माण की मांग को लेकर नगर आयुक्त और उपजिलाधिकारी कोल को ज्ञापन सौंपा था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके विरोध में क्षेत्रवासियों ने अपने घरों पर काले झंडे लगाकर विरोध दर्ज कराया। बारिश के बीच हुए प्रदर्शन में मोर्चा के जिलाध्यक्ष मोहम्मद रिजवान शाह के नेतृत्व में लोगों ने नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो नगर निगम का घेराव कर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन में जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद फरमान, मीडिया प्रभारी अब्दुल हादी आदि मौजूद रहे।

बीएचयू में बायो और हेल्थ स्टैटिस्टिक्स सहित सभी यूजी-पीजी कोर्स की होंगी पूरक परीक्षाएं

वाराणसी, एजेंसी। बीएचयू के कई कोर्स की पूरक परीक्षाओं में आवेदन की अंतिम तिथि 20 जुलाई तय की गई है। सत्र 2025-2026 के लिए पूरक परीक्षाओं की अधिसूचना जारी की गई है। यह अधिसूचना उन कोर्स के लिए लागू नहीं होगी, जो कृषि विज्ञान संस्थान और चिकित्सा विज्ञान संस्थान के तहत संचालित हो रहे हैं। वहीं, एमएससी हेल्थ स्टैटिस्टिक्स और बायो-स्टैटिस्टिक्स के कोर्स को भी इसमें शामिल किया गया है। संबंधित छात्र-छात्राओं को सूचित किया गया है कि वे पूरक परीक्षा के लिए ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरें। परीक्षा फॉर्म शुल्क भी अपने पोर्टल से ही ऑनलाइन जमा करना होगा। फीस जमा होने के बाद ही परीक्षा फॉर्म को पूरा माना जाएगा।

परीक्षा फॉर्म की फीस का भुगतान करने के बाद छात्र-छात्राओं को उसका प्रिंटआउट और फीस रसीद परीक्षा नियंत्रक कार्यालय के संबंधित पटल पर जमा करना होगा। यह प्रक्रिया करने के बाद ही आवेदन स्वीकार किया जाएगा। यदि किसी छात्र या छात्रा को आवेदन प्रक्रिया के दौरान कोई असुविधा होती है, तो उन्हें तत्काल परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

पूरक परीक्षा में कला, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, वाणिज्य, कला प्रदर्शन, प्रबंधन शास्त्र, विधि, शिक्षा, संस्कृत विद्या, दृश्य कला आदि संकाय शामिल हैं। इनमें बीए, बीपीएड, एमए, एमएड, बीएससी, एमएससी, बीकॉम, एमबीए, एलएलबी, एलएलएम, बीएफए और एमपीए जैसे कई स्नातक और स्नातकोत्तर कोर्स शामिल किए गए हैं।

योगी ने विकास का बताया विजन, बोले- चित्रकूट अब निवेश का केंद्र

मुख्यमंत्री ने दी 951 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

चित्रकूट, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को धर्मनगरी के दौरे में चित्रकूट के कायाकल्प के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट की पहचान कभी भय और दहशत से जुड़ी थी। अब यह क्षेत्र निवेश का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा। जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बात पर जोर दिया कि चित्रकूट का अतीत भय और असुरक्षा के माहौल से जुड़ा रहा है। अब समय बदल गया है।

सरकार की नीतियों और विकासोन्मुख दृष्टिकोण के कारण यह क्षेत्र निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन गया है। यह परिवर्तन आर्थिक प्रगति का प्रतीक है। यह क्षेत्र की सामाजिक और सांस्कृतिक छवि को भी निखार रहा है। मुख्यमंत्री ने मंदाकिनी नदी के घाटों के सुंदरीकरण की आवश्यकता पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि इन पवित्र

घाटों को सुंदर और सुलभ बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। यह धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगा। यह स्थानीय लोगों के लिए भी एक सुखद अनुभव प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने राजापुर और वाल्मीकि आश्रम जैसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों के समग्र विकास की योजना का भी उल्लेख किया। सरकार चित्रकूट को संस्कृति, आध्यात्मिकता और आधुनिक विकास के संगम के रूप में विकसित करना चाहती है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को चित्रकूट में 951 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर 394.70 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया, जबकि 556.18 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में विकास को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों की समीक्षा की। सदर विधानसभा क्षेत्र में 180.62 करोड़ रुपये की लागत से 22 कार्यों का लोकार्पण हुआ। मानिकपुर क्षेत्र में 214.07 करोड़ रुपये के 27 कार्य पूरे किए गए। इसके अतिरिक्त, 211.86 करोड़ रुपये की लागत से 31 कार्यों का शिलान्यास किया गया। 344.32 करोड़ रुपये की लागत से 44 अन्य कार्यों का भी शिलान्यास हुआ।

मानिकपुर में 15.40 करोड़ रुपये की लागत से नवीन संकेत जूनियर हाईस्कूल विद्यालय भवन का लोकार्पण हुआ। यह दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। मऊ से कौशांबी के मवई के बीच यमुना नदी पर 144 करोड़ रुपये का पुल भी लोकार्पित किया गया। सरधुवा थाना भवन और रूर्बन उद्यमिता प्रशिक्षण विकास केंद्र का भी लोकार्पण हुआ।

शिलान्यास की गई परियोजनाओं में कर्वी बूढ़ा सेमरवार राजापुर सड़क चौड़ीकरण शामिल है। परिक्रमा मार्ग के रामायण दर्शन केंद्र का नवनिर्माण भी होगा। गुंता नदी पर पुल निर्माण और छह पुल-पुलिया की मरम्मत भी प्रस्तावित है। स्पोर्ट्स स्टेडियम में सिंथेटिक रनिंग ट्रैक का निर्माण भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ये परियोजनाएं धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देंगी। इन परियोजनाओं से चित्रकूट की कनेक्टिविटी और आधारभूत संरचना में सुधार होगा।

संक्षिप्त समाचार

बैठक से लौट रहे थे वापस
दिल्ली में थाना प्रभारी की स्कॉर्पियो में लगी आग

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बाहरी-उत्तर जिले के अलीपुर में एक थाना प्रभारी की स्कॉर्पियो गाड़ी में अचानक आग लग गई। गनीमत यह थी कि आग लगने से पहले दोनों पुलिसकर्मी गाड़ी से बाहर निकल गए थे और कोई हताहत नहीं हुआ था। पुलिस के अनुसार, अलीपुर थाना इलाके के खाटू श्याम मंदिर के पास नेशनल हाईवे पर स्कॉर्पियो में अचानक आग लग गई और देखते-देखते गाड़ी धू-धू कर जलने लगी। बुधवार रात करीब 9:30 बजे थाना प्रभारी समयपुर बादली स्थित डीसीपी ऑफिस

बैठक खत्म कर थाना वापस जा रहे थे। इस दौरान गाड़ी में अचानक आग लग गई। इस गाड़ी में थाना प्रभारी और चालक सवार थे। इस घटना में थाना प्रभारी मनोज यादव और चालक समेत सुरक्षित हैं। घटना को लेकर एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। फिलहाल अलीपुर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रोहिणी इमारत हादसा: मरने वालों की संख्या बढ़कर 4 हुई

नईदिल्ली, एजेंसी। रोहिणी सेक्टर-16 में एक पांच मंजिला इमारत बुधवार शाम को भरभरा कर गिर गई। इमारत के मलबे में दबने से मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। इमारत गिरने से मौके पर कई लोग दब गए थे, जिन्हें सुरक्षित बचाने के लिए रेस्क्यू चलाया गया। मलबा हटाने का काम अभी भी चल रहा है। संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। नवनिर्मित इमारत गिरने के बाद भवन के ढांचे और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता को लेकर सवाल

खड़े हो गए हैं। नगर निगम के एक अधिकारी का कहना है कि निर्माण कार्य पूरा होने के कुछ माह बाद इमारत गिरने का यह अपनी तरह का पहला है, वह भी तब, जब इमारत में कोई बड़ा कार्य नहीं चल रहा था। जानकारी के अनुसार, इमारत का ढांचागत निर्माण कार्य तीन से चार महीने पहले पूरा हो चुका है और फिलहाल फिनिशिंग का कार्य चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों का भी कहना है कि इमारत धंसने के बाद गिरी है, इस कोण से देखा जाए तो भवन गिरने के दो ही कारण हो सकते हैं, एक- ढांचागत खामी और दूसरा निम्न स्तरीय निर्माण सामग्री। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने ढांचागत खामी और निम्न स्तरीय निर्माण सामग्री के इस्तेमाल का अंदेशा जताया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह इमारत दो तरफ से खुली (टू साइड ओपन) थी। दोनों ओर छज्जे भी बनाए गए थे। इमारत गिरने के सटीक कारण तो जांच के बाद ही सामने आ पाएंगे, लेकिन भवन निर्माण को लेकर तय नियमों की अवहेलना, नगर निगम की लापरवाही साफ-साफ नजर आ रही है।

दिल्ली में आयकर विभाग के नाम पर फर्जी भर्ती रैकेट का पर्दाफाश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मध्य जिला के हौज काजी थाना पुलिस ने सिविक सेंटर स्थित आयकर विभाग में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर चल रहे एक बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने गिरोह के तीन शातिर आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जिनमें आयकर विभाग का एक पूर्व एमटीएस कर्मचारी भी शामिल है। यह गिरोह बेरोजगार युवाओं को जाल में फंसाकर अब तक 6-7 लोगों से करीब 10 लाख रुपये की ठगी कर चुका है। पीड़ितों के दस्तावेज और वारदात में इस्तेमाल मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इस मामले का भंडाफोड़ तब हुआ जब अजमेरी गेट के रहने वाले एक पीड़ित ने 18 मई को हौज काजी थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि नवीन प्रकाश, दीपक तिवारी और रोहित चौहान नाम के व्यक्तियों ने उसे आयकर विभाग में एमटीएस (मल्टी टास्किंग स्टाफ) की नौकरी दिलाने का भरोसा दिया था।

डीयू एडमिशन के लिए कॉलेजों का बड़ा कदम

छात्रों की मदद को 24 घंटे चलेगी हेल्पलाइन; प्रोफेसरों की लगी ड्यूटी

नईदिल्ली, एजेंसी। डीयू कॉलेजों में स्नातक दाखिला प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही नए विद्यार्थियों की सहायता के लिए कॉलेजों ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

दाखिले के दौरान किसी भी छात्र को परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए कई कॉलेजों में 24 घंटे हेल्पलाइन और काउंसलिंग सुविधा शुरू होगी।

दाखिला प्रक्रिया में शामिल विद्यार्थियों को तत्काल मदद मिल सके और किसी भी तकनीकी समस्या, दस्तावेजों की कमी या जानकारी के अभाव में दाखिले से वंचित ना रहना पड़े यही मकसद है।

कॉलेजों में छात्रों को मार्गदर्शन देने के लिए हर विभाग से विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रोफेसरों की ड्यूटी लगाई है, ताकि विषय चयन, पात्रता, दस्तावेजों और दाखिला प्रक्रिया से जुड़े हर सवाल का सही और समय पर जवाब दिया जा सके। कई कॉलेजों ने फोन हेल्पलाइन के साथ ई-मेल और वाट्सएप के माध्यम से भी छात्रों की शंकाओं का समाधान करने की व्यवस्था की है। श्री वेंकटेश्वर कॉलेज में दाखिला कमेटी की कन्वीनर डॉ. शैफाली शुक्ला बताती हैं कि कॉलेज में दाखिला कमेटी और ग्रीवेंस कमेटी सक्रिय हैं। दाखिला प्रक्रिया के दौरान छात्रों को दस्तावेजों के सत्यापन, पसंदीदा कॉलेज चुनने और दाखिले प्रक्रिया पूरी करने के लिए समय कम मिलता है।

ऐसे में हर पाठ्यक्रम में प्रोफेसरों की ड्यूटी लगाई है जो रोटेशन में 24 घंटे हेल्पलाइन पर उपलब्ध रहेंगे। नए छात्रों के लिए दाखिला प्रक्रिया आसान बने यही कोशिश है।

11 जुलाई तक पंजीकरण, 12 को जारी होगी रैंक

डीयू के स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए फिलहाल पंजीकरण जारी है। दूसरे चरण की पंजीकरण प्रक्रिया 11 जुलाई तक चलेगी, वहीं 10 और 11 जुलाई को करेक्शन विंडो खुलेगी और 12 जुलाई को शाम पांच बजे कामन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) के तहत पहली अनुमानित रैंक जारी होगी।

इसके बाद 13 जुलाई शाम तक प्रीफरेंस चेंज करने का विकल्प मिलेगा और 16 जुलाई को पहली सीट आवंटन सूची जारी की जाएगी। छात्रों को सीमित समय में ही प्रिफरेंस भरने, सीट स्वीकारने, दस्तावेजों के सत्यापन और फीस जमा करने जैसी औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। ऐसे में तकनीकी समस्या या किसी असमंजस में छात्र हेल्पलाइन पर तत्काल जानकारी पा सकेंगे।

मकानों, फ्लैटों और भूखंडों के लिए डीयूपिक बनाया जाएगा
रेखा सरकार लाएगी नया कानून, हर जमीन-मकान का बनेगा डीयूपिक कार्ड; दिल्ली वालों को क्या होगा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में प्रॉपर्टी से जुड़े विवादों को खत्म करने और सभी संपत्तियों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने के लिए दिल्ली सरकार नया कानून लाने की तैयारी कर रही है।

इसके तहत राजधानी के सभी मकानों, फ्लैटों और भूखंडों के लिए डीयूपिक बनाया जाएगा। यह कार्ड आधार कार्ड की तर्ज पर होगा, जिसमें प्रत्येक संपत्ति की एक विशिष्ट पहचान (यूनिक आईडी) होगी।

सरकार के प्रस्तावित कानून के अनुसार, हर प्रॉपर्टी के पर एक क्यूआर कोड होगा। इस कोड को स्कैन करते ही उस मकान या जमीन से जुड़ी जरूरी जानकारी उपलब्ध हो जाएगी।

राजस्व विभाग के माध्यम से यह सीमित जानकारी डीडीए, नगर निगम, एनडीएमसी, बिजली

कंपनियों, जल बोर्ड, बैंकों और अदालतों तक भी पहुंचाई जाएगी। सरकार का मानना है कि इससे प्रॉपर्टी से जुड़े विवादों में बड़ी कमी आएगी। सरकारी सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में लाखों संपत्तियां हैं, लेकिन बड़ी संख्या में ऐसी संपत्तियां भी हैं जिनका पूरा रिकॉर्ड सरकार के पास उपलब्ध नहीं है।

नई व्यवस्था के तहत किसी भी भूमि या मकान का पंजीकरण होते ही उसकी जानकारी स्वतः संबंधित सरकारी विभागों तक पहुंच जाएगी। इसके लिए सरकार नया एक्ट तैयार कर रही है। प्रॉपर्टी के मालिक की जानकारी के साथ-साथ बिजली, पानी और हाउस टैक्स जैसे रिकॉर्ड भी दर्ज होंगे। क्यूआर कोड के जरिये यह भी पता लगाया जा सकेगा कि संपत्ति का वर्तमान मालिक कौन है और उससे जुड़े बिल किसके नाम पर हैं। जैसे ही संपत्ति का पंजीकरण होगा, राजस्व विभाग से नई स्वामित्व जानकारी संबंधित एजेंसियों को ऑनलाइन भेज दी जाएगी और रिकॉर्ड स्वतः अपडेट हो जाएगा। 36 महीने चलेगा सर्वे सरकार पहले नया कानून लागू करेगी, जिसके बाद पूरे दिल्ली में संपत्तियों का व्यापक सर्वे कराया जाएगा।

भूमि उपयोग बदलते ही मिलेगी सूचना

प्रस्तावित कानून के तहत यदि किसी संपत्ति का भूमि उपयोग बदला जाता है तो उसकी जानकारी तुरंत राजस्व विभाग को मिलेगी। इसके बाद संबंधित विभागों जैसे बिजली, पानी और नगर निगम को भी सूचना भेजी जाएगी, ताकि नए भूमि उपयोग के अनुसार टैक्स और अन्य शुल्क तय किए जा सकें। नई व्यवस्था लागू होने के बाद संपत्ति खरीदने वाले लोगों को बिजली, पानी और अन्य सेवाओं के बिलों में नाम बदलवाने के लिए अलग-अलग विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

यात्री ध्यान दें! मुंबई, लखनऊ और बिहार जाने वाली 3 स्पेशल ट्रेनें कैंसिल; रेलवे ने बताई वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। गर्मी छुट्टी समाप्त होने के बाद भी ट्रेनों में भीड़ है। कई रूट पर कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहा है। इस कारण स्पेशल ट्रेनें घोषित की जा रही है। पहले से घोषित स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ाए जा रहे हैं, लेकिन तीन स्पेशल ट्रेनों को अगले कुछ दिनों के लिए निरस्त करने की घोषणा कर दी गई है। इससे इन ट्रेनों में यात्रा करने की योजना बनाने वाले यात्रियों को परेशानी होगी। उत्तर रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार हजरत निजामुद्दीन-दादर स्पेशल (04002) 14 जुलाई को और दादर -हजरत निजामुद्दीन स्पेशल (04001) 16 जुलाई को निरस्त रहेगी। वहीं, आनंद विहार टर्मिनल-शेखपुरा स्पेशल (04070) 10 से 14 जुलाई तक नहीं चलेगी। शेखपुरा-आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल (04069) भी 11 से 15 जुलाई तक नहीं चलेगी। 13 जुलाई को नई दिल्ली-लखनऊ (04204/04203) नहीं चलेगी। बताया गया है कि परिचालनिक कारणों से इन ट्रेनों को निरस्त करने का निर्णय लेना पड़ा है।

वहीं, अधिकारियों का कहना है कि अलग-अलग रूट पर चल रहे संरक्षा कार्य व अन्य कारणों से कई बार ट्रेनें अधिक देरी से अपने गंतव्य पर पहुंचती हैं इस कारण रेक की कमी हो जाती है।

भारत-पाकिस्तान युद्ध पर ट्रंप का फिर दावा, बोले- परमाणु संघर्ष टलवाया; भारत पहले ही कर चुका है खारिज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रोकने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव परमाणु युद्ध तक पहुंच सकता था, जिससे लाखों लोगों की जान जा सकती थी। ब्रिटेन के रॉयल एयर फोर्स मिल्डेनहॉल एयरबेस पर एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा, 'सोचिए, भारत और पाकिस्तान। वह युद्ध जारी था। उसे एक सप्ताह हो चुका था। 11 विमान मार गिराए गए थे और वह युद्ध परमाणु संघर्ष में बदलने वाला था।'

ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने युद्ध रुकवाने में उनकी भूमिका की सराहना की थी। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने तीन से पांच करोड़ लोगों की जान बचाई। लेकिन अंदाजा लगाइए, यह संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती थी।' इस दौरान ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय विवादों को सुलझाने के अपने रिकॉर्ड का भी जिक्र किया और दावा किया कि उन्होंने कई युद्ध रुकवाने में भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, 'मैंने आठ युद्ध खत्म कराए हैं।' ट्रंप ने इस दौरान अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच संघर्ष तथा कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और रवांडा के बीच विवाद का भी उल्लेख किया। नोबेल शांति पुरस्कार का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला की नेता मचाडो ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि विभिन्न संघर्षों को सुलझाने में भूमिका के कारण वह किसी भी अन्य व्यक्ति से अधिक इस पुरस्कार के हकदार हैं। ट्रंप ने कहा, 'मुझे यह पुरस्कार उन सभी लोगों से पहले मिलना चाहिए था, जिन्हें अब तक नोबेल शांति पुरस्कार मिला है, क्योंकि किसी ने इतने युद्ध नहीं रुकवाए। मैंने अपने व्यक्तित्व की बदौलत आठ युद्ध समाप्त कराए।' इससे पहले पिछले सप्ताह सीएनबीसी को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित पूर्ण युद्ध को दोनों देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी देकर रोका था।

दक्षिणी चीन में बाढ़ ने मचाई तबाही, 39 लोगों की मौत; बांध टूटने से सबसे बड़ा हादसा

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिणी चीन में ट्रॉपिकल स्टॉर्म 'मेसाक' के कारण आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। गुरुवार को अधिकारियों ने बताया कि इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 39 लोगों की मौत हो चुकी है।

शहर के उपमहापौर डिंग वेई ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि अधिकांश मौतें गुआंग्शी क्षेत्र के नाननिंग शहर में बांध टूटने की घटना के कारण हुईं। इस हादसे में अकेले 26 लोगों की जान चली गई।

ट्रॉपिकल स्टॉर्म 'मेसाक' (मायसाक) पश्चिमी प्रशांत महासागर और दक्षिण चीन सागर में बनने वाला एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात है। जब किसी उष्णकटिबंधीय प्रणाली में लगातार चलने वाली हवाओं की रफ्तार लगभग 63 से 118 किलोमीटर प्रति घंटा के बीच पहुंच जाती है, तो उसे 'ट्रॉपिकल स्टॉर्म' कहा जाता है। इससे अधिक ताकतवर होने पर यही तूफान टाइफून की श्रेणी में आ जाता है।

वर्ष 2026 का ट्रॉपिकल स्टॉर्म मेसाक दक्षिण चीन सागर में बना और फिर हैनान द्वीप होते हुए दक्षिणी चीन की ओर बढ़ा। इसके साथ आई मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं के कारण गुआंग्शी और आसपास के इलाकों में बाढ़ आ गई। कई नदियां उफान पर पहुंच गईं और कुछ स्थानों पर बांध भी टूट गए, जिससे बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ।

'मेसाक' नाम माइक्रोनेशिया द्वारा विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) और टाइफून समिति को दिया गया है। पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में आने वाले चक्रवातों के नाम पहले से तय सूची के अनुसार रखे जाते हैं और हर नए तूफान को उसी क्रम में नाम मिलता है।

ट्रॉपिकल स्टॉर्मः हवा की गति 63-118 किमी/घंटा। टाइफूनः हवा की गति 119 किमी/घंटा या उससे अधिक। दोनों उष्णकटिबंधीय चक्रवात ही होते हैं, लेकिन टाइफून अधिक शक्तिशाली होता है। बचाव और राहत कार्य में जुटा प्रशासन बाढ़ और बांध टूटने की इस भीषण त्रासदी के बाद स्थानीय प्रशासन, बचाव दल और आपदा राहत एजेंसियों ने प्रभावित इलाकों में बड़े पैमाने पर राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि कई इलाके अब भी जलमग्न हैं, जिससे राहत कार्य में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने में जुटा हुआ है। चीनी मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि ट्रॉपिकल स्टॉर्म 'मेसाक' के प्रभाव के कारण दक्षिणी चीन के कई हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश जारी रह सकती है। प्रशासन ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने, सुरक्षित स्थानों पर जाने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। साथ ही संभावित भूस्खलन और अचानक बाढ़ की आशंका को देखते हुए निगरानी बढ़ा दी गई है।

आखिर ट्रंप ने नया एयर फोर्स वन छोड़ पुराने विमान से क्यों भरी उड़ान? ईरान के हमलों के बीच उठे सवाल

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तुर्किए में आयोजित नाटो शिखर सम्मेलन से लौटते समय कतर द्वारा उपहार में दिए गए नए विमान के बजाय पुराने एयर फोर्स वन से अमेरिका रवाना हुए, जिससे सभी हैरान रह गए। यह बदलाव ऐसे समय हुआ, जब अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर हवाई हमलों का सिलसिला शुरू हो गया है। ट्रंप ने इस बदलाव को लेकर अधिक स्पष्ट जानकारी नहीं दी। उन्होंने केवल इतना कहा कि वह पुराने दिनों की याद में पुराने विमान से यात्रा करना चाहते थे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि दोनों विमान अमेरिका लौटने से पहले ब्रिटेन स्थित रॉयल एयर फोर्स मिल्डेनहॉल एयरबेस पर रुकेंगे। इस एयरबेस का इस्तेमाल अमेरिकी सैनिक भी करते हैं। ट्रंप की यात्रा में इस बदलाव ने नए विमान की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। अमेरिका ने इस विमान को राष्ट्रपति के उपयोग के अनुरूप हिसाब से तैयार करने पर लगभग 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर खर्च किए हैं। विमान के सार्वजनिक होने के बाद सामने आई तस्वीरों से संकेत मिला है कि इसमें पुराने एयर फोर्स वन विमानों जैसी कुछ मिसाइल पहचान और मिसाइल-रोधी सुरक्षा प्रणालियां मौजूद नहीं हैं। यह बदलाव ऐसे समय सामने आया, जब इससे एक दिन पहले ही अमेरिकी सेना ने होर्मुज में वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमलों के जवाब में ईरान पर बड़े पैमाने पर हमले किए थे। ईरान की सीमा तुर्किए से लगती है। बाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या सुरक्षा कारणों से उन्होंने विमान बदला तो उन्होंने सीधे जवाब नहीं दिया। हालांकि, उन्होंने कहा कि ईरान जिन लोगों को मारना चाहता है, उस सूची में मैं नंबर एक हूं। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता स्टीवन च्यूंग ने बयान में कहा, 'नया एयर फोर्स वन अत्याधुनिक विमान है, जिसमें राष्ट्रपति और उनके स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उच्च स्तरीय सुरक्षा प्रोटोकॉल लगाए गए हैं। जैसा कि राष्ट्रपति हाल में कह चुके हैं, अमेरिका के कई दुश्मनों की नजर उन पर है और इन खतरों से निपटने के लिए हम अपने पास उपलब्ध हर उपाय अपनाते हैं, जिनमें ध्यान भटकाने और भ्रम पैदा करने जैसी रणनीतियां भी शामिल हैं।'

भारतीय इंजीनियर ने अमेरिका में की पत्नी की हत्या

शव का फोटो भारत में रह रही प्रेमिका को क्यों भेजा?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक भारतीय इंजीनियर को पत्नी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि पति ने गला घोंटकर पत्नी की हत्या की और उसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की। हालांकि पुलिस जांच में आरोपी पकड़ा गया।

अमेरिका में रह रहे एक 30 वर्षीय भारतीय इंजीनियर को यूएस पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इंजीनियर पर नौ माह पहले अपनी पत्नी की हत्या का आरोप है। पुलिस ने बताया कि भारतीय इंजीनियर अविनाश नारने ने अपनी पत्नी रंजीता सब्बीनेनी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद आरोपी ने पत्नी के शव की फोटो भारत में रह रही अपनी प्रेमिका को भी भेजी थी। पुलिस जांच के बाद हत्या का मामला साफ हो जाने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 27 अक्टूबर, 2025 को, सॉफ्टवेयर इंजीनियर नारने ने पुलिस को फोन करके बताया कि उनकी पत्नी बाथरूम में बंद हैं और बाहर नहीं आ रही हैं। जब पुलिस ने बाथरूम का दरवाजा तोड़ा, तो उन्हें सबिनेनी

जमीन पर पड़ी मिलीं। अधिकारियों ने उन्हें मौके पर ही मृत घोषित कर दिया। पूछताछ के दौरान, नारने ने पुलिस को बताया कि वह कुछ काम से अपार्टमेंट से बाहर गए थे। जब वह लगभग 40 मिनट बाद घर लौटे, तो उन्होंने सबिनेनी को बाथरूम में बंद पाया। हालांकि, अधिकारियों को नारने के बाहर रहने के दौरान घर में किसी और के घुसने का कोई सबूत नहीं मिला।

अगले दिन, किंग काउंटी मेडिकल एग्जामिनर ऑफिस ने सबिनेनी की मौत को हत्या करार दिया और कहा कि उनकी मौत गला घोंटे जाने के कारण दम घुटने से हुई थी। जांच से पता चला कि नारने का भारत में एक महिला के साथ कई वर्षों से रिश्ता था। उस महिला के साथ रिश्ते में रहते हुए ही, नारने की 5 जून, 2025 को सबिनेनी से शादी हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि नारने की गर्लफ्रेंड भी उनकी शादी में शामिल हुई थी। हालांकि, सबिनेनी से शादी के बाद भी दोनों का रिश्ता चलता रहा।

प्रेमिका को पत्नी के शव की तस्वीर भेजी: घटना वाले दिन, नारने ने अपनी गर्लफ्रेंड को कम से कम चार बार फोन किया था, जिसमें वह समय भी शामिल था जब उन्होंने पुलिस को बताया था कि वह बंद बाथरूम में घुसने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि नारने ने अपनी गर्लफ्रेंड को अपनी पत्नी की लाश की तस्वीर भी भेजी थी।

संपादकीय | सवाल सिर्फ चोरी का नहीं, भरोसे का है

राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास में कथित गबन का मामला जब से सामने आया है, तभी से इस बात की जरूरत महसूस की जा रही है कि इसमें शामिल आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई के समांतर एक संपूर्ण पारदर्शी व्यवस्था बननी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की कोई गड़बड़ी संभव न हो सके।

विडंबना यह है कि इस मामले के खुलासे के बाद जहां न्यास के दायरे में जिम्मेदारी तय किए जाने की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए थी, वहां शुरू से आरोपों की दिशा भ्रमित करने की कोशिश होती रही। अब सोमवार को न्यास की एक अहम बैठक के दौरान इसके महासचिव चंपत राय और न्यासी अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए और अंतरिम व्यवस्था के तौर पर एक अन्य सदस्य कृष्ण मोहन को महासचिव की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई।

निश्चित तौर पर यह कदम विवाद के बीच जिम्मेदारी और आरोपियों के प्रति नरमी बरतने को लेकर उठते गंभीर सवालों की तीव्रता को कम करने की एक कवायद है, लेकिन इस बीच जैसी असहज करने वाली स्थितियां पैदा हुईं, उसने आम लोगों के भरोसे को कमजोर ही किया है।

इस संबंध में अब तक सामने आए आरोप-प्रत्यारोपों के बाद स्थिति इतनी उलझ गई है कि जब तक विशेष जांच दल की अंतिम रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक एक तरह की अस्पष्टता कायम रहेगी। विडंबना यह है कि न्यास के जिन लोगों पर इसके वित्त की निगरानी, उसमें पारदर्शिता सुनिश्चित करने और इसकी संपत्तियों की रक्षा करने का दायित्व था, या तो उनके लिए ये तकाजे गैर-महत्त्वपूर्ण थे या फिर वे ही कठघरे में खड़े

दिखे। सवाल है कि आरोपों की अनदेखी करके क्या अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ा जा सकता है! इतने समय तक किसकी देखरेख या संरक्षण में चढ़ावे की चोरी करने वालों का धंधा बेरोक-टोक चलता रहा? क्या यह उन तमाम लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ नहीं है, जिनकी आस्था की बुनियाद पर ही न्यास का समूचा कामकाज टिका हुआ है?

लोगों के भरोसे को ताक पर रखकर पैसों का गबन करने की हरकत कैसे संभव हुई? अब यह देखने की बात होगी कि इस अनियमितता के वास्तविक आरोपियों को कानून के कठघरे में खड़ा करके सजा दिलाई जाती है या नहीं? हालांकि न्यास के नए महासचिव का कहना है कि चंदा चोरी के मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे सजा दिलाना उनकी प्राथमिकता होगी। निश्चित रूप से सिर्फ इस्तीफा इस मामले का हल नहीं हो सकता। भ्रष्टाचार कानून के दायरे में एक परिभाषित अपराध है, तो उसके लिए सजा भी निर्धारित है। जांच में जिन लोगों को वास्तव में जिम्मेदार पाया जाएगा, उन्हें कानून के मुताबिक सजा दिलाना इस पूरे मामले की एक अहम कड़ी होनी चाहिए। यों अनियमितता का जैसा स्वरूप सामने आया है, उसके मद्देनजर अब देश भर के लोगों की नजर इस पर रहेगी कि मंदिर में चढ़ावे, खर्च और वित्तीय खातों की निगरानी सहित न्यास के सभी कामकाज के प्रबंधन और संचालन के लिए जो नई व्यवस्था बनाई जाएगी, उसमें संपूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के साथ-साथ उन कमियों को दूर करने के लिए क्या किया जाता है, जिनकी वजह से न्यास के कोष में इतनी व्यापक गड़बड़ी हुई। राम मंदिर का दर्शन और वहां दान करना करोड़ों लोगों की आस्था का मामला है। मगर इस समूचे मामले की वजह से आम लोगों के भीतर न्यास को लेकर एक तरह का अविश्वास पैदा हुआ है और उसकी छवि को चोट पहुंची है।

समझौतों के बाद भी मणिपुर में हिंसा

मणिपुर में लंबे समय से जारी जातीय तनाव के बीच हिंसा फिर से अपने पांव पसारने लगी है। राज्य में शांति बहाली को लेकर सरकार के तमाम दावों के बावजूद उग्रवादी संगठनों की बढ़ती सक्रियता आग में घी का काम कर रही है। उखरुल जिले में सोमवार को उग्रवादियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में असम राइफल्स के दो जवानों के शहीद हो जाने की घटना ने समूची सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर सुरक्षाबलों के जवान ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम लोग अपनी सुरक्षा के लिए किस पर भरोसा करेंगे। सवाल है कि केंद्र और राज्य सरकारों का विद्रोही गुटों के साथ शांति समझौते के बाद भी अगर उग्रवादी संगठन हिंसक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं, तो इसकी वजह पता लगाने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? क्या सिर्फ सुरक्षाबलों की अतिरिक्त तैनाती

के दम पर राज्य में शांति बहाल हो पाएगी? जाहिर है कि इसके लिए समस्या की जड़ में जाकर समाधान के रास्ते तलाशने होंगे। गौरतलब है कि मणिपुर में वर्ष 2023 में मेइती और कुकी-जो समूहों के बीच शुरू हुए जातीय संघर्ष में ढाई सौ से अधिक लोगों की जान गई है और हजारों लोग बेघर हुए हैं। इसके बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बावजूद हालात में ठोस सुधार संभव नहीं हो सका। वहां सरकार के फिर से कमान संभालने के बाद हिंसक गतिविधियां नए सिरे से जोर पकड़ने लगी हैं। राज्य में आए दिन सामुदायिक झड़पों, उग्रवादियों के हमले और विरोध-प्रदर्शन की खबरें आती रहती हैं। बीते रविवार शाम को भी कांगपोकपी जिले के थिंगखोंगजांग में एक गांव पर हथियारबंद समूह ने हमला कर दिया था, जिसमें कई लोग घायल हो गए थे। इस तरह की घटनाएं निश्चित रूप से राज्य में सामुदायिक सौहार्द को बिगाड़ने का काम कर रही हैं, लेकिन सवाल है कि सरकार की नीतियां सुरक्षा एवं शांति बहाली के मोर्चे पर कमजोर साबित क्यों हो रही हैं।

आज का कार्टून

इंडो पैसिफिक के सारे समीकरण ही बदल दिए...

प्रधानमंत्री मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान बिंतांग आदिपूर्ण दिया जाना भी इस यात्रा की बड़ी उपलब्धि रहा। यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। मोदी ने इसे भारत और इंडोनेशिया की साझा लोकतांत्रिक परंपराओं तथा सभ्यतागत रिश्तों को समर्पित किया। यह सम्मान बताता है कि दुनिया में भारत की साख पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है। साथ ही भारत और इंडोनेशिया के बीच दुर्लभ खनिज, इस्पात आपूर्ति श्रृंखला और दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों पर हुए समझौते भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिहाज से भी बेहद अहम हैं। आने वाले समय में प्रौद्योगिकी और रक्षा उत्पादन के लिए दुर्लभ खनिजों की भूमिका निर्णायक होगी। ऐसे में भारत का इंडोनेशिया के साथ इस क्षेत्र में साझेदारी करना दूरगामी रणनीतिक सोच का परिचायक है। देखा जाये तो भारत अब दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि वह विकास, लोकतंत्र, सुरक्षा और सांस्कृतिक शक्ति का ऐसा संगम है जो वैश्विक व्यवस्था को नई दिशा दे सकता है।

नीरज कुमार दुबे

भारत और इंडोनेशिया के रिश्तों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि बदलती वैश्विक राजनीति में दोनों देश केवल पुराने मित्र नहीं, बल्कि भविष्य के रणनीतिक साझेदार भी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा ने हिंद महासागर और इंडो पैसिफिक क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका को नई मजबूती दी है। जकार्ता में जिस गर्मजोशी और सम्मान के साथ प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत हुआ, उसने साफ संकेत दिया कि भारत अब एशिया की राजनीति, सुरक्षा और विकास की दिशा तय करने वाली प्रमुख शक्ति बन चुका है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया यात्रा लोकतंत्र, समुद्री सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक विरासत पर आधारित एक नए क्षेत्रीय गठबंधन की मजबूत नींव भी साबित हुई।

इंडोनेशिया की संसद में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण क्षण रहा। उन्होंने भारत और इंडोनेशिया को केवल दो देश नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से जुड़े सभ्यतागत साझेदार बताया। रामायण, महाभारत, नालंदा और प्रम्बानन मंदिर का उल्लेख करते हुए मोदी ने साफ कहा कि समुद्र ने दोनों देशों को कभी अलग नहीं किया, बल्कि यही समुद्र दोनों को जोड़ने वाला पुल बना। उनका यह संदेश केवल सांस्कृतिक संदेश नहीं था, बल्कि इंडो पैसिफिक की नई भू-रणनीतिक सोच का संकेत भी था।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में जिस दृढ़ता से कहा कि भारत विस्तारवाद नहीं बल्कि विकासवाद के मार्ग पर चलता है, वह सीधे तौर पर उस वैश्विक शक्ति संतुलन की ओर इशारा था जहां कई ताकतें समुद्री इलाकों पर दबदबा बनाने की कोशिश कर रही हैं। मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत और इंडोनेशिया यदि साथ खड़े होते हैं तो लोकतंत्र पर दुनिया का भरोसा और मजबूत होगा। यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इंडो पैसिफिक क्षेत्र आज वैश्विक राजनीति का सबसे संवेदनशील केंद्र बन चुका है।

इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि दोनों देशों के बीच हुए 20 ऐतिहासिक समझौते रहे। रक्षा, समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष, दुर्लभ खनिज, दूरसंचार, कृषि, स्वास्थ्य, डिजिटल ढांचा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में हुए ये समझौते आने वाले वर्षों में भारत और इंडोनेशिया की साझेदारी को नई ऊंचाई देने वाले हैं। सबसे अधिक चर्चा ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली और हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों पर हुए समझौतों की रही। यह हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक संतुलन को मजबूत करने वाला कदम है। कृषिऔर वानिकी

देखा जाये तो भारत द्वारा इंडोनेशिया के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाना कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण है। मलक्का जलडमरूमध्य के पास स्थित इंडोनेशिया वैश्विक समुद्री व्यापार का अहम केंद्र है। दुनिया के बड़े हिस्से का व्यापार इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में भारत और इंडोनेशिया के तटरक्षक बलों के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ना सीधे तौर पर हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत करेगा। यह साझेदारी समुद्री डकैती, अवैध गतिविधियों और किसी भी प्रकार की आक्रामक विस्तारवादी नीति के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बयान में महा सागर दृष्टि का उल्लेख करते हुए साफ कहा कि भारत मुक्त, खुला और नियम आधारित इंडो पैसिफिक चाहता है। यह संदेश पूरी दुनिया और खासतौर पर चीन के लिए था कि भारत किसी गुट की राजनीति नहीं बल्कि संतुलित और स्थिर वैश्विक व्यवस्था का समर्थक है। आसियान की केंद्रीय भूमिका पर भारत का जोर यह भी दिखाता है कि नई दिल्ली दक्षिण पूर्व एशिया को केवल व्यापारिक साझेदार नहीं बल्कि रणनीतिक सहयोगी मानती है।

हम आपको बता दें कि मोदी की इस यात्रा में तकनीक और डिजिटल क्षेत्र में हुए समझौते भी बेहद महत्वपूर्ण रहे। भारत के डिजिटल सार्वजनिक ढांचे के आधार पर इंडोनेशिया ओपन नेटवर्क की शुरुआत, भुगतान प्रणाली को जोड़ने की तैयारी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा स्टार्टअप सहयोग पर सहमति इस बात का संकेत है कि भारत अब तकनीकी नेतृत्व की दिशा में भी निर्णायक भूमिका निभा रहा है। भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु का परिसर इंडोनेशिया में खोलने का फैसला शिक्षा और ज्ञान कूटनीति के क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत को दर्शाता है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि उन्होंने मोदी सरकार की कई योजनाओं को अपनाया है। उन्होंने हंसी मजाक में कहा कि उन्हें खुशी है कि इन योजनाओं पर किसी का अधिकार नहीं है। लेकिन इस हल्के फुल्के बयान के भीतर भारत के विकास मॉडल की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता का बड़ा संदेश छिपा था। इंडोनेशिया द्वारा भारत की कृषि तकनीक, सूखी जमीन को उपजाऊ बनाने के प्रयोग और जनकल्याण योजनाओं का अध्ययन यह दिखाता है कि दुनिया अब भारत को केवल बाजार नहीं बल्कि समाधान देने वाले राष्ट्र के रूप में देख रही है।

प्रधानमंत्री मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान बिंतांग आदिपूर्ण दिया जाना भी इस यात्रा की बड़ी उपलब्धि रहा। यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। मोदी ने इसे भारत और इंडोनेशिया की साझा लोकतांत्रिक परंपराओं तथा सभ्यतागत रिश्तों को समर्पित किया। यह सम्मान बताता है कि दुनिया में भारत की साख पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है। साथ ही भारत और इंडोनेशिया के बीच दुर्लभ खनिज, इस्पात आपूर्ति श्रृंखला और दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों पर हुए समझौते भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिहाज से भी बेहद अहम हैं। आने वाले समय में प्रौद्योगिकी और रक्षा उत्पादन के लिए दुर्लभ खनिजों की भूमिका निर्णायक होगी। ऐसे में भारत का इंडोनेशिया के साथ इस क्षेत्र में साझेदारी करना दूरगामी रणनीतिक सोच का परिचायक है। देखा जाये तो भारत अब दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि वह विकास, लोकतंत्र, सुरक्षा और सांस्कृतिक शक्ति का ऐसा संगम है जो वैश्विक व्यवस्था को नई दिशा दे सकता है।

बहरहाल, मोदी सरकार की विदेश नीति की सबसे बड़ी सफलता यही है कि उसने भारत को रक्षात्मक सोच से निकालकर निर्णायक वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में पहुंचा दिया है। कभी केवल दक्षिण एशिया तक सीमित माना जाने वाला भारत आज इंडो पैसिफिक की धुरी बन चुका है। दुनिया के बड़े राष्ट्र भारत के साथ साझेदारी को अपनी रणनीतिक आवश्यकता मान रहे हैं। इंडोनेशिया यात्रा ने एक बार फिर साबित कर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति आत्मविश्वास, सांस्कृतिक गौरव, सामरिक दूरदृष्टि और वैश्विक प्रभाव का नया अध्याय लिख रही है।

मायावती की जमीन पर अखिलेश यादव की एंट्री

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि अखिलेश यादव अब उस छवि से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें समाजवादी पार्टी को केवल यादव और मुस्लिम मतों की पार्टी माना जाता था। यही कारण है कि पार्टी अब दलित समाज में लगातार संवाद बढ़ा रही है। पंचायत स्तर से लेकर विधान परिषद तक प्रतिनिधित्व का नया खाका तैयार किया जा रहा है। समाजवादी पार्टी के भीतर भी यह समझ बन रही है कि बहुजन समाज पार्टी के कमजोर पड़ने से जो राजनीतिक खालीपन बना है, उसे भरने का यह सबसे सही समय है। पार्टी नेताओं का दावा है कि दलित समाज का एक हिस्सा अब नए राजनीतिक विकल्प की तलाश में है।

नीरज कुमार दुबे

उत्तर प्रदेश की राजनीति में इन दिनों समाजवादी पार्टी ने ऐसा दांव चला है, जिसने बहुजन समाज पार्टी की बेचैनी बढ़ा दी है और भारतीय जनता पार्टी को भी माथा खुजलाने पर मजबूर कर दिया है। बात सिर्फ टिकट बांटने की नहीं है, बल्कि उस नई सामाजिक बिसात की है, जिस पर अखिलेश यादव अब दलित, पिछड़ा और मुस्लिम समीकरण को नए अंदाज में जमाने की कोशिश कर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि सियासी गलियारों में चर्चा गर्म है कि समाजवादी पार्टी अगले विधानसभा चुनाव में लगभग सौ दलित उम्मीदवार मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है। इनमें सामान्य सीटों पर भी दलित चेहरों को मौका देने की रणनीति शामिल है। समाजवादी पार्टी का मानना है कि अगर बहुजन समाज पार्टी की पारंपरिक जमीन पर सेंध लगानी है तो केवल भाषणों से काम नहीं चलेगा, बल्कि टिकट वितरण में भी साहस दिखाना होगा।

दरअसल, यह पूरी कवायद उस बदले हुए राजनीतिक माहौल का नतीजा है, जिसमें बहुजन समाज पार्टी धीरे धीरे अपने पुराने प्रभाव से दूर होती दिखाई दे रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी का खाता तक नहीं खुला और उसका मत प्रतिशत भी तेजी से नीचे आया। उधर समाजवादी पार्टी ने यह समझ लिया है कि अगर दलित मतदाता का एक हिस्सा भी उसके साथ मजबूती से आ गया, तो उत्तर प्रदेश की सत्ता का रास्ता और आसान हो सकता है।

इसी सोच के तहत पार्टी अब आरक्षित सीटों तक सीमित रहने की बजाय सामान्य सीटों पर भी दलित प्रत्याशी उतारने की तैयारी में है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि जहां समाजवादी पार्टी का संगठन बहुत मजबूत नहीं है, वहां दलित उम्मीदवारों को उतारकर नया सामाजिक समीकरण बनाया जाएगा। यानी जहां जमीन कमजोर है, वहां जातीय गणित से जीत का पुल तैयार करने की कोशिश होगी।

दिलचस्प बात यह है कि यह प्रयोग पूरी तरह नया भी नहीं है। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने कई दलित उम्मीदवार उतारे थे और उसका फायदा भी मिला। अयोध्या, मेरठ और फैजाबाद जैसी सीटों पर पार्टी ने दलित चेहरों

को मौका देकर राजनीतिक संदेश दिया था कि अब पार्टी केवल यादव मुस्लिम पहचान तक सीमित नहीं रहना चाहती।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि अखिलेश यादव अब उस छवि से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें समाजवादी पार्टी को केवल यादव और मुस्लिम मतों की पार्टी माना जाता था। यही कारण है कि पार्टी अब दलित समाज में लगातार संवाद बढ़ा रही है। पंचायत स्तर से लेकर विधान परिषद तक प्रतिनिधित्व का नया खाका तैयार किया जा रहा है।

समाजवादी पार्टी के भीतर भी यह समझ बन रही है कि बहुजन समाज पार्टी के कमजोर पड़ने से जो राजनीतिक खालीपन बना है, उसे भरने का यह सबसे सही समय है। पार्टी नेताओं का दावा है कि दलित समाज का एक हिस्सा अब नए राजनीतिक विकल्प की तलाश में है। ऐसे में अगर सम्मानजनक भागीदारी दी जाए, तो यह वर्ग स्थायी रूप से नए गठजोड़ की तरफ आ सकता है।

उधर, भारतीय जनता पार्टी भी इस बदलते समीकरण को लेकर सतर्क दिखाई दे रही है। भाजपा को मालूम है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में दलित मतदाता सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि चुनावी दिशा तय करने वाला निर्णायक वर्ग है। इसी कारण भाजपा लगातार अपने दलित संपर्क अभियान को तेज कर रही है और यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि उसका सामाजिक विस्तार अभी भी कायम है।

बहुजन समाज पार्टी के लिए यह स्थिति सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण बनती जा रही है। कभी दलित राजनीति की सबसे बड़ी धुरी रही पार्टी अब दो तरफा दबाव में है। एक तरफ भाजपा उसका परंपरागत वोट बैंक खींच रही है, दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी नए अंदाज में दलित नेतृत्व को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

राजनीति के पुराने खिलाड़ी मानते हैं कि यह पूरा खेल केवल टिकटों का नहीं, बल्कि प्रतीकों और संदेशों का है। अखिलेश यादव यह जताना चाहते हैं कि समाजवादी पार्टी अब केवल एक जाति विशेष की पार्टी नहीं रही। वहीं भाजपा यह साबित करने में जुटी है कि उसका सामाजिक समीकरण अभी भी सबसे व्यापक है। और बहुजन समाज पार्टी इस कोशिश में लगी है कि उसका कोर मतदाता पूरी तरह छिटकने न पाए।

बहरहाल, उत्तर प्रदेश की राजनीति में यह नया दौर बेहद दिलचस्प होने वाला है। अब चुनावी मंचों पर केवल विकास और वादों की बात नहीं होगी, बल्कि सामाजिक प्रतिनिधित्व की नई पटकथा भी लिखी जाएगी। फिलहाल इतना तय है कि दलित राजनीति अब केवल एक पार्टी की जागीर नहीं रही। साइकिल, कमल और हाथी तीनों अब उसी मैदान में उतर चुके हैं, जहां हर वोट के पीछे पूरा सामाजिक गणित छिपा है।

अपनी बायोपिक का पहला पोस्टर लॉन्च होने पर बोले गांगुली

'यह अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे गिफ्ट'

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने बुधवार को अपने 54वें जन्मदिन पर अपनी बायोपिक, 'दादाः द सौरव गांगुली स्टोरी' के फर्स्ट-लुक पोस्टर के लॉन्च को 'अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे गिफ्ट' बताया। नेशनल अवॉर्ड विजेता एक्टर राजकुमार राव स्टारर यह फिल्म अगले साल 14 मई को थिएटर में रिलीज होगी। पोस्टर लॉन्च के बाद अपने पहले रिएक्शन में गांगुली ने कहा कि इस मौके ने उनके जन्मदिन को और भी खास बना दिया। उन्होंने कहा, 'जन्मदिन हमेशा खास होते हैं और आज मेरी बायोपिक 'दादा - द सौरव गांगुली स्टोरी' का फर्स्ट लुक रिलीज होने से यह और भी यादगार बन गया है। यह सच में अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे गिफ्ट है।' पूर्व कप्तान ने कहा कि फिल्म का यह पोस्टर उन्हें उनके क्रिकेट करियर के सबसे यादगार और अहम पलों में से एक की याद दिलाता है। उन्होंने राजकुमार राव पर भरोसा जताते हुए कहा कि अभिनेता ने उनके जीवन और संघर्ष को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ पर्दे पर उतारा है। उन्होंने कहा, 'यह पोस्टर मुझे मेरे क्रिकेट सफर के एक बेहद खास पल में वापस ले जाता है। राजकुमार ने इस किरदार को पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ निभाया है। मुझे भरोसा है कि वह मेरी कहानी को दर्शकों तक बेहतरीन तरीके से पहुंचाएंगे। '

फिल्म के निर्माताओं को अपनी शुभकामनाएं देते हुए गांगुली ने उम्मीद जताई कि जब यह बायोपिक अगले साल सिनेमाघरों में आएगी, तो दर्शक बड़ी संख्या में इसे देखने आएंगे। उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें और पूरी टीम को शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि फैंस 14 मई 2027 को बड़े पर्दे पर फिल्म का आनंद लेंगे। '

गांगुली के जन्मदिन के मौके पर जारी किए गए फिल्म के फर्स्ट-लुक पोस्टर में अभिनेता राजकुमार राव भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे यादगार पलों में से एक को दोबारा जीवंत करते नजर आते हैं। पोस्टर में वह लॉर्ड्स की बालकनी में शर्ट उतारकर खड़े हैं, ठीक उसी अंदाज में जैसे सौरव गांगुली ने 2002 नेटवेस्ट ट्रॉफी फाइनल में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद जश्न मनाया था। पोस्टर की पृष्ठभूमि में लहराता विशाल तिरंगा इस ऐतिहासिक पल को और भी भव्य बना रहा है।

चित्रा के. सोमन

कड़ी मेहनत से बनाई पहचान

कॉमनवेल्थ गेम्स में जीता सिल्वर मेडल

ग्रांड प्रिक्स में भी लहराया परचम

नई दिल्ली । कुछ खिलाड़ियों में टैलेंट कूट-कूटकर भरा होता है, तो कुछ खिलाड़ी कड़ी मेहनत के दम पर अपनी पहचान बनाते हैं। ऐसी ही खिलाड़ी रहीं चित्रा.के.सोमन, जिन्होंने अपनी मेहनत के दम पर 400 मीटर की दौड़ में देश का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन किया। चित्रा का जन्म 10 जुलाई, 1983 को केरल के कोट्टायम में हुआ। चित्रा को शुरुआत से ही दौड़ने का काफी शौक था। वह स्कूल स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं। जल्द ही उनकी काबिलियत को कोच ने पहचाना और चित्रा ने बतौर धावक करियर बनाने का फैसला कर लिया। साधारण परिवार में जन्मीं चित्रा ने अपनी लगन और कड़ी मेहनत के दम पर सफलता की सीढ़ियां चढ़ती चली गईं। साल 2004 में हुए एथेंस ओलंपिक में 4×400 मीटर रिले स्पर्धा में चित्रा ने हिस्सा लिया और वह सातवें स्थान पर रहीं। टीम स्पर्धा में उन्होंने मंजीत कौर, के.एम.बीनामोल और राजविंदर कौर के साथ मिलकर 4×400 मीटर रिले में नेशनल रिकॉर्ड बनाया। टीम की साथी खिलाड़ियों संग मिलकर उन्होंने यह रिले 3:26.89 मिनट में पूरी की। इस प्रदर्शन ने विश्व स्तर पर उनको पहचान दिलाने का काम किया। साल 2006 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में चित्रा का प्रदर्शन लाजवाब रहा और वह सिल्वर मेडल जीतने वाली रिले टीम का हिस्सा रहीं।

इसके बाद, साल 2007 में हुई एशियाई ग्रांड प्रिक्स में भी चित्रा का जलवा देखने को मिला। उन्होंने 400 मीटर की दौड़ में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। 400 मीटर की दौड़ को चित्रा ने 51.30 सेकंड में पूरा किया, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी रहा। साल 2007 में चित्रा को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भारतीय सरकार द्वारा 'अर्जुन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। चित्रा ने उस दौर में इस खेल में अपनी पहचान बनाई, जब काफी सीमित साधन हुआ करते थे। वह उन तमाम महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं, जो छोटे शहर से आकर अपने खेल के दम पर विश्व में पहचान बनाने की इच्छा रखती हैं।

आईसीसीटी-20 रैंकिंग

किशन शीर्ष पर बरकरार

● जैकब बेथेल ने लगाई लंबी छलांग

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा जारी टी20 के बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारतीय टीम के बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाजों ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। ईशान किशन टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान तीसरे और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट चौथे स्थान पर हैं। श्रीलंका के पाथुम निसांका पांचवें स्थान पर हैं। भारत के तिलक वर्मा छठे, इंग्लैंड के जोस बटलर सातवें स्थान पर हैं। भारत के खिलाफ जारी टी20 सीरीज के दूसरे मैच में नाबाद 76 रनों की पारी खेलने वाले इंग्लैंड के बाएं हाथ के बल्लेबाज जैकब बेथेल को रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। बेथेल 7 स्थान ऊपर चढ़ते हुए आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिशेल मार्श नौवें, जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस दसवें स्थान पर हैं। टी20 गेंदबाजों की बात करें तो अफगानिस्तान के राशिद खान पहले, पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे, इंग्लैंड के आदिल रशीद 1 स्थान ऊपर चढ़ते हुए तीसरे, और ऑस्ट्रेलिया के एडम जांपा 1 स्थान ऊपर चढ़ते हुए चौथे स्थान पर हैं। भारत के वरुण चक्रवर्ती को 2 स्थान का घाटा हुआ है, वह पांचवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के नाथन एलिस और दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बोश क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर हैं। दोनों को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। जसप्रीत बुमराह को दो स्थान का घाटा हुआ है, वह आठवें स्थान पर हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम घोषित

शुम्बा और न्यूमैन न्यामहुरी को मौका

हरारे। बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली 3 टी20 मैचों की घरेलू सीरीज के लिए जिम्बाब्वे क्रिकेट ने बुधवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टीम की कमान सिकंदर रजा के हाथ में है। इस टीम में ज्यादातर वही खिलाड़ी हैं जो टी20 विश्व कप 2026 में जिम्बाब्वे को सुपर-8 तक पहुंचाने वाले कैंपेन का हिस्सा रहे थे। हरारे में चल रही वनडे सीरीज समाप्त होने के बाद 15, 17 और 19 जुलाई को बुलावायो में 3 टी20 मैच खेले जाने हैं। टीम में दो

बदलाव हुए हैं। युवा तेज गेंदबाज न्यूमैन न्यामहुरी और बल्लेबाज मिल्टन शुम्बा को शामिल किया गया है। न्यामहुरी ने टी20 फॉर्मेट में अभी तक डेब्यू नहीं किया है। शुम्बा ऑस्ट्रेलिया में 2022 टी20 विश्व कप के बाद पहली बार टी20 टीम में लौटे हैं। बल्लेबाज बेन कुरेन, जिन्हें इस साल की शुरुआत में ब्रेंडन टेलर की चोट के बाद टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया गया था, ने अपनी जगह बरकरार रखी है। ग्रेम क्रेमर बाएं हाथ में इंजरी की वजह से चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे।

चयनकर्ता संयोजक डेविड मुटेंडेरा ने कहा कि टीम का चयन करते समय निरंतरता पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया गया था। उन्होंने कहा, 'टी20 विश्व कप ने दिखाया कि यह ग्रुप क्या करने में काबिल है, इसलिए निरंतरता हमारे लिए एक जरूरी बात थी। हम सुपर आठ तक पहुंचने वाली टीम के कोर को एक साथ रखना चाहते थे, साथ ही उन खिलाड़ियों के लिए भी जगह बनाना चाहते थे जिन्होंने अपने प्रदर्शन से अपने लिए मौके बनाए हैं। यह सीरीज टीम को आगे बढ़ने का एक और मौका देती है क्योंकि हम आगे के बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की तैयारी कर रहे हैं।'

जिम्बाब्वे टीम

सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मडांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमानी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजराबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, न्यूमैन न्यामहुरी, मिल्टन शुम्बा।

लॉर्ड्स में महिलाओं का टेस्ट मैच एक शानदार मौका

इसका बेसब्री से इंतजार है: भारतीय कोच मजूमदार

लंदन। भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच 10 जुलाई से लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इकलौता टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस खास मौके पर खुशी जाहिर करते हुए भारतीय हेड कोच अमोल मजूमदार ने बुधवार को कहा कि 'होम ऑफ क्रिकेट' में टेस्ट मैच खेलना किसी भी भारतीय क्रिकेटर का सबसे बड़ा सपना होता है। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में मजूमदार ने कहा, 'यह सोचकर ही हैरानी होती है कि लॉर्ड्स में यह पहला टेस्ट मैच (विमेंस) है। इसके बावजूद, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं। मैं इस आयोजन से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। यह एक शानदार मौका है और हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। किसी भी भारतीय क्रिकेटर के लिए टेस्ट मैच खेलना ही एक सपना होता है, फिर लॉर्ड्स में खेलने की बात ही अलग है। मुझे यकीन है कि इस मुकाबले में जो भी खिलाड़ी सफेद जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेंगे, उन्हें लॉर्ड्स में टेस्ट मैच खेलने पर गर्व होगा।' उन्होंने कहा, 'हमने ड्रेसिंग रूम में हमेशा यही बात कही है। पारंपरिक रूप से हमने टेस्ट मुकाबलों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले ही हर कोई लॉर्ड्स में होने वाले टेस्ट मैच के बारे में बात कर रहा था। अब वह समय आ गया है, इसलिए खिलाड़ी निश्चित रूप से इसे लेकर उत्साहित होंगे। '

भारत ने विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन किया। लीग स्टेज से बाहर होने के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड के विरुद्ध इस टेस्ट मैच में उतरेगी। मजूमदार ने स्वीकार किया है कि हालांकि प्रदर्शन 'मिला-जुला' रहा, लेकिन टीम ने सफलतापूर्वक अपना ध्यान सबसे लंबे फॉर्मेट पर लगा लिया है।

उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो, यह मिला-जुला रहा है। हमें हार से उबरना था। हम निश्चित रूप से निराश थे। हमारा वर्ल्ड कप बहुत अच्छा नहीं रहा, लेकिन इसके बावजूद, टीम का जज्बा सामने आना जरूरी था और हमें उस दौर से बाहर निकलकर जल्द ही टेस्ट मैच की तैयारी में जुटना था। मुझे लगता है कि हम ऐसा करने में कामयाब रहे हैं। हमने वर्म्सले क्रिकेट क्लब में तैयारी के पांच बहुत अच्छे दिन बिताए। यह एक खूबसूरत मैदान है और तैयारी के लिए एकदम सही जगह है और फिर यहां लॉर्ड्स में भी। हमारी तैयारी अच्छी रही है। '

टैमी ब्यूमोंट भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लेंगी संन्यास

लंदन। इंग्लैंड की अनुभवी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। टैमी भारत के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले जाने वाले मुकाबले के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहेंगी। टैमी अपने 17 साल के शानदार करियर का अंत इस मशहूर मैदान पर टेस्ट मैच के साथ करेंगी, जिसकी शुरुआत 10 जुलाई से होगी। नवंबर 2009 में अपने अंतरराष्ट्रीय सफर की शुरुआत करने वालीं टैमी ने इंग्लैंड के लिए सभी फॉर्मेट में कुल 260 मैच खेले, जिसमें 7,325 रन बनाए। टैमी वनडे फॉर्मेट में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक 12 शतक लगाने वाली महिला खिलाड़ी हैं, जो साल 2017 में घरेलू मैदान पर इंग्लैंड की ऐतिहासिक महिला वनडे वर्ल्ड कप जीत की मुख्य सूत्रधार थीं। उस टूर्नामेंट में टैमी ने सर्वाधिक 410 रन बनाए, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की तरफ से जारी एक बयान में टैमी ने कहा, 'करीब 17 साल तक इंग्लैंड के लिए खेलना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान रहा है। जब छोटी उम्र में क्रिकेट खेलने का शौक जगा, तब मुझे शायद ही पता था कि इंग्लैंड के लिए क्रिकेट खेलना भी एक विकल्प हो सकता है। यह सोचकर मुझे बहुत खुशी होती है कि कितनी लड़कियां और लड़के इससे प्रेरित हुए हैं। हम हमेशा अगली पीढ़ी के लिए इस विरासत को आगे बढ़ाना चाहते थे, और अब मेरे लिए यह मौका आ गया है कि मैं इंग्लैंड के खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को यह जिम्मेदारी सौंप दूं। लॉर्ड्स में होने वाला यह टेस्ट मैच, जो लॉर्ड्स में महिलाओं का पहला टेस्ट है, मेरे करियर को अलविदा कहने का सबसे सही मौका है। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरा करियर इतना शानदार होगा।'

35 वर्षीय टैमी इंग्लैंड की उन दो महिला खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने खेल के तीनों फॉर्मेट में शतक लगाया है। टैमी टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाली पहली इंग्लिश महिला खिलाड़ी हैं, जिन्होंने साल 2023 में विमेंस एशेज के दौरान ट्रेंट ब्रिज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 208 रन बनाए थे। टैमी ब्यूमोंट ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि वह घरेलू क्रिकेट में 'द ब्लेज' और 'द हंड्रेड' में 'बर्मिंघम फीनिक्स' के लिए खेलना जारी रखेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखूंगी, लेकिन अपने शानदार सपोर्ट के लिए सभी फैंस का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं।

फीफा विश्व कपः मोरक्को को झटका

फॉरवर्ड सैबारी फ्रांस के खिलाफ क्वार्टर-फाइनल से हुए बाहर

नई दिल्ली । फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर-फाइनल में फ्रांस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ मुकाबले से पहले मोरक्को को बड़ा झटका लगा है। उनके मुख्य फॉरवर्ड इस्माइल सैबारी चोट के कारण इस अहम मैच से बाहर हो गए हैं। मोरक्को के हेड कोच मोहम्मद ओआबी ने गुरुवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैबारी के बाहर होने की पुष्टि की। ओआबी के अनुसार, कनाडा के खिलाफ राउंड ऑफ 16 की जीत के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट लगने के बाद यह फॉरवर्ड समय पर ठीक नहीं हो सका। हालांकि, कोच को उम्मीद है कि अगर उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंचती है, तो 25 वर्षीय खिलाड़ी फिट हो जाएगा। मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ओआबी ने कहा, 'वह तैयार नहीं हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह उनके लिए टूर्नामेंट का अंत नहीं है। '

सैबारी मौजूदा टूर्नामेंट में अफ्रीकी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने ग्रुप स्टेज के तीनों मैचों में गोल किए और राउंड ऑफ 32 में नीदरलैंड के खिलाफ निर्णायक शूटआउट में पेनल्टी को गोल में बदला। उनकी अनुपस्थिति के कारण मोरक्को को 2022 वर्ल्ड कप की उपविजेता टीम के खिलाफ अधिक रक्षात्मक रणनीति अपनानी पड़ सकती है।

फीफा ने फ्रांस और मोरक्को के बीच क्वार्टर-फाइनल मुकाबले के लिए पूरी तरह से अर्जेंटीना के अधिकारियों की टीम नियुक्त करके एक बड़ी बहस छेड़ दी है। 2026 टूर्नामेंट में यह पहली बार है जब किसी मैच का संचालन पूरी तरह से एक ही देश के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। हालांकि, मोरक्को के कोच ने अधिकारियों के प्रभाव को कम करके आंका है।

मैच से पहले अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में रेफरी के बारे में उन्होंने कहा, 'हम एक बहुत अनुभवी रेफरी की बात कर रहे हैं। हम यही चाहते हैं। हम इस तरह के मैचों के लिए अनुभवी रेफरी चाहते हैं। इसलिए हम बहुत शांत हैं। नीदरलैंड्स का सामना करने से पहले हमारे मैच में एक डच रेफरी था और उसने बहुत अच्छा काम किया था।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए त्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यायल नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670